mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-77 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
20 मार्च 2026
शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

लड्डू गोपाल की मूर्ति खोई, थाने पहुंची महिला

पुलिस से कहा- मां की धरोहर थी, ढूंढकर ला दो; पता बताने वाले को इनाम देने तैयार

ग्वालियर, एजेंसी। ग्वालियर में लड्डू गोपाल की मूर्ति खो गई तो महिला थाने जा पहुंची। पुलिस से मूर्ति को ढूंढने की गुहार लगाई। कहा- लिखित शिकायत दर्ज मत कीजिए क्योंकि अगर कानूनी कार्रवाई होगी तो हमारे भगवान को थाने या कोर्ट में पेश होना पड़ेगा। मैं नहीं चाहती कि भगवान को इस तरह का कोई भी कष्ट हो। मामला ग्वालियर के अलकापुरी में 29 जनवरी का है। करीब दो महीने तक तलाश करने के बावजूद मूर्ति नहीं मिली तो महिला ने 18 मार्च को इसे ढूंढकर लाने वाले को इनाम देने की घोषणा की है। हालांकि, इनाम की राशि का खुलासा नहीं किया है। फरियादी विजया शर्मा ने बताया कि वे 29 जनवरी को अपनी बहन के साथ खरीदारी करने बाजार गई थीं। लड्डू गोपाल को साथ ले गई थीं। बाजार में घूमने के दौरान मूर्ति कहीं गिरकर खो गई।

30 साल पहले मां ने दी थी मूर्ति : विजया ने कहा- यह मूर्ति मेरे लिए सिर्फ धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि मां की यादों से जुड़ी अनमोल धरोहर है। करीब 30 साल पहले मां ने लड्डू गोपाल की यह मूर्ति दी थी। 5 साल पहले मां का निधन हो गया। जिसके बाद यह मूर्ति ही उनकी सबसे खास निशानी बन गई थी। मुझे इस बात का गहरा दुख है कि मां की आखिरी निशानी को संभाल नहीं पाई। कई दिनों तक अपने स्तर पर बाजार और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की, लेकिन जब कोई सफलता नहीं मिली तो मैंने कोतवाली जाकर मदद मांगी है।

ओडिशा अस्पताल अग्निकांड में 4 अफसर सस्पेंड

विपक्ष ने दिखावा बताया, हादसे में मरने वाले मरीजों की संख्या 12 हुई

कटक, एजेंसी। कटक के श्रीराम चंद्र भंज(SCB) मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आग लगने की घटना के दो दिन बाद ओडिशा सरकार ने 4 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इनमें अग्निशमन सेवा के 3 और विद्युत विभाग का एक अफसर शामिल है। इस बीच, विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (BJD) ने चार जूनियर अधिकारियों के निलंबन को सिर्फ दिखावा बताया। BJD के प्रवक्ता लेनिन मोहंती ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने इतने संवेदनशील मामले को लेकर बहुत ही लापरवाही भरा रवैया अपनाया है। दरअसल, SCB मेडिकल कॉलेज में 14-15 मार्च की दरमियानी रात करीब 3 बजे आग लगी थी। हादसे में मरने वाले मरीजों की संख्या 12 हो गई है। इनमें से 7 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, 5 की मौत इलाज के दौरान हुई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया था।

सीमा सुरक्षा मजबूत करने 53 नई बटालियन बनेंगी, 55 हजार जवान होंगे शामिल; गृह मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत से लगते विभिन्न देशों के बॉर्डर और आंतरिक सुरक्षा घेरे को मजबूती प्रदान करने के लिए 53 नई बटालियन सृजित की जाएंगी। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों 'सीएपीएफ' द्वारा गृह मंत्रालय को भेजे गए प्रस्ताव पर गंभीरता के साथ विचार किया जा रहा है। जल्द ही इस प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने के आसार हैं। इससे केंद्रीय सुरक्षा बलों में 55 हजार जवानों की भर्ती होगी। सबसे अधिक जवान सीआरपीएफ को मिलेंगे।

तीन वर्ष में स्वीकृत हुई बटालियन :केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल सीआईएसए' में तीन वर्ष के दौरान तीन बटालियनों के सृजन को मंजूरी दी गई है।

ये बटालियन अब स्थापित हो चुकी हैं। तीन हजार से अधिक जवान सीआईएसएफ का हिस्सा बन गए हैं। भारत और चीन के बॉर्डर पर तैनात आईटीबीपी में भी सात बटालियनों के सृजन को मंजूरी दी गई है। ये बटालियन अब स्थापित हो चुकी हैं। आईटीबीपी में लगभग आठ हजार जवानों की भर्ती के अलावा एक सेक्टर मुख्यालय भी स्थापित किया गया है।

इन केंद्रीय बलों को मिलेंगी बटालियन :विभाग- संबंधित गृह कार्य संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल द्वारा राज्यसभा में पेश की गई 257वीं रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय बलों में 53 नई बटालियनों का प्रपोजल गृह मंत्रालय को भेजा गया है।

सीआरपीएफ में 20 अतिरिक्त बटालियन सृजित करने का प्रस्ताव विचाराधीन है। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलते ही सीआरपीएफ में करीब 22 हजार जवानों की भर्ती होगी।

बीएसएफ में दो अतिरिक्त सेक्टर भी बनेंगे

बीएसएफ में दो अतिरिक्त सेक्टर मुख्यालय तथा 16 बटालियन सृजित किए जाने का प्रस्ताव भेजा गया है। सशस्त्र सीमा बल 'एसएसबी' में एक नए सेक्टर और 12 बटालियनों के सृजन का प्रस्ताव है। सेक्टर पर आईजी स्तर का अधिकारी बैठता है। असम राइफल में पांच बटालियन सृजित करने का प्रस्ताव गृह मंत्रालय को भेजा गया है। इससे असम राइफल में पांच हजार से ज्यादा जवान शामिल होंगे।

भारत में अब बचपन ज्यादा सुरक्षित:

30 साल में 79% तक घटी बाल मृत्यु दर, संयुक्त राष्ट्र ने जमकर की सराहना

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने बच्चों की मौतों को कम करने में बड़ी सफलता हासिल की है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के लगातार प्रयासों से नवजात (जन्म के तुरंत बाद) और 5 साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में काफी कमी आई है। रिपोर्ट के अनुसार, 1990 में जहां हर 1000 बच्चों में से 127 बच्चों की 5 साल से पहले मौत हो जाती थी, वहीं 2024 में यह संख्या घटकर सिर्फ 27 रह गई है। यानी लगभग 79% की कमी आई है। इसी तरह नवजात बच्चों की मौत भी 57 से घटकर 17 प्रति 1000 रह गई है, जो करीब 70% की गिरावट है।

सरकार की योजनाओं से मिली सफलता- जेपी नड्डा -केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने कहा कि यह सफलता सरकार की योजनाओं और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की वजह से मिली है। जैसे कि जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (SNCU) और टीकाकरण अभियान ने इसमें बड़ा योगदान दिया है।

अयोध्या पहुंचीं राष्ट्रपति, रामलला के दर्शन किए : तमिलनाडु से लाए श्रीराम यंत्र का पूजन किया, मंदिर परिसर देखा

अयोध्या, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नवरात्रि के पहले दिन अयोध्या के राम मंदिर पहुंची हैं। उन्होंने रामलला के दर्शन किए। दूसरे फ्लोर पर बने राम दरबार में श्रीराम यंत्र की स्थापना की। उन्होंने राम मंदिर परिसर को भी देखा। सीएम योगी ने राष्ट्रपति को मंदिर निर्माण से जुड़े कार्यों की जानकारी दी। राष्ट्रपति करीब साढ़े 10 बजे दिल्ली से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचीं। यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम ने उनका स्वागत किया। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद राष्ट्रपति का यह दूसरा अयोध्या दौरा है। इससे पहले वह 1 मई 2024 को अयोध्या आई थीं, तब उन्होंने हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन-पूजन किया था।

गुजरात में 2 साल पहले हुई इंटर-कास्ट मैरिज पर बवाल

- महासम्मेल के बाद एक समुदाय ने दूसरे का गांव घेरकर तोड़फोड़ की; पुलिस का लाठीचार्ज

थराद, एजेंसी। गुजरात की थराद जिले में करीब 2 साल पहले हुई इंटर कास्ट मैरिज को लेकर चौधरी और रबारी समुदाय के लोग आमने सामने हैं। बुधवार को थराद में चौधरी समुदाय का महासम्मेलन हुआ। इसमें उत्तर गुजरात और राजस्थान के अंजना चौधरी समुदाय के नेताओं समेत बड़ी संख्या में लोग जमा हुए थे।

सम्मेलन के बाद, चौधरी समुदाय के हजारों लोगों की भीड़ अपने समुदाय की बेटी की घर-वापसी की मांग करते हुए ओगड़ के ऊण गांव जा पहुंची। भीड़ ने गांव का घेराव कर गाड़ियों में जमकर तोड़फोड़ की।

सूचना मिलते ही डीएसपी समेत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। इस दौरान नेशनल हाईवे भी कुछ देर के लिए जाम हो गया था। हालांकि, अब हालात कंट्रोल में है।

लाठीचार्ज से बचने लोग हाईवे की तरफ भागे : पहले समझिए कि 2 साल पहले हुई शादी का मामला अब कैसे उठा... दरअसल, हाल ही में पाटण की रहने वाली फेमस गुजराती सिंगर किंजल रबारी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर अपनी लव-मैरीज की जानकारी दी थी। पोस्ट में बताया था कि उन्होंने चौधरी समुदाय के लड़के अशोक चौधरी से लव मैरिज कर ली है। उनकी इस इंटर कास्ट मैरिज की चर्चा होते ही बवाल मच गया था। दोनों समुदाय के नेता आमने-सामने आ गए थे। इसके बाद किंजल ने वह पोस्ट डिलीट कर दी थी।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में इजराइल दुनिया का 8वां सबसे खुशहाल देश, पाकिस्तान की रैंकिंग भारत से ऊपर

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 जारी की है। इसमें लगातार 9वीं बार फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुशहाल देश बताया गया है। 147 देशों की सूची में पाकिस्तान 104वें नंबर पर है। वहीं भारत 116वें स्थान पर है। 2025 में भारत की रैंकिंग 118वीं थी। वहीं ढाई साल से जंग में फंसा इजराइल दुनिया का 8वां सबसे खुशहाल देश बताया गया है। लिस्ट में सबसे नीचे संघर्ष वाले देश हैं। अफगानिस्तान फिर से सबसे कम खुशहाल देश रहा, उसके ऊपर सिएरा लियोन और मलावी हैं। इस बार भी कोई भी अंग्रेजी बोलने वाला देश टॉप 10 में नहीं है। अमेरिका 23वें, कनाडा 25वें और ब्रिटेन 29वें स्थान पर हैं। फिनलैंड जैसे देशों की खुशी का कारण अच्छी आर्थिक स्थिति, बराबरी से संसाधनों का बंटवारा, मजबूत वेलफेयर सिस्टम और बेहतर जीवन स्तर है। रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादा सोशल मीडिया इस्तेमाल से कई देशों में युवाओं की खुशी और मानसिक स्थिति पर बुरा असर पड़ रहा है।

सऊदी में ऑयल रिफाइनरी पर हमला

- यूएई-कतर के तेल-गैस प्लांट पर भी ड्रोन अटैक; सऊदी बोला- ईरान सब्र का इम्तिहान न ले

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 20वां दिन है। सऊदी अरब के यनबू पोर्ट पर स्थित सैमरेफ ऑयल रिफाइनरी पर हवाई हमला हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने की वजह से अब ज्यादातर तेल यनबू पोर्ट से भेजा जा रहा है। इसके अलावा UAE और कतर के तेल-गैस प्लांट पर भी ड्रोन हमले हुए हैं। ईरान ने हाल ही में सऊदी अरब, UAE और कतर के तेल ठिकानों को खाली करने की वॉर्निंग दी थी। सऊदी ने आज ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। सऊदी के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद ने कहा कि हमारे देश के पास ईरान को जवाब देने की पूरी ताकत है। ईरान के हमले पहले से प्लान किए गए लगते हैं और हमारे सब्र का इम्तिहान न लें।

दावा- ईरान ने न्यूक्लियर प्रोग्राम दोबारा शुरू नहीं किया : अमेरिका की खुफिया एजेंसी की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने कहा है कि ईरान ने अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरू नहीं किया है। उनके मुताबिक, पिछले साल जून के हमलों के बाद ईरान की यह ताकत लगभग खत्म हो गई थी।

यह बात राष्ट्रपति ट्रम्प के दावों से अलग है। ट्रम्प कहते रहे हैं कि ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम खतरा है और इसी वजह से हाल का युद्ध जरूरी था। गबार्ड ने कहा कि 2025 में अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद ईरान ने इसे दोबारा शुरू करने की कोई कोशिश नहीं की। वहीं, डेमोक्रेटिक नेता मार्क वार्नर ने कहा कि गबार्ड ने अपनी बात का वह हिस्सा सार्वजनिक रूप से नहीं बताया, जो ट्रम्प की बात से अलग था।

हिमाचल में सरकारी कर्मचारियों के जींस-टीशर्ट पहनने पर रोक, पुरुष शर्ट-पैंट पहनकर आ सकेंगे; महिलाओं के लिए साड़ी व सलवार-सूट तय

शिमला, एजेंसी। हिमाचल में सरकारी कर्मचारियों के जींस और टी-शर्ट पहनने पर रोक लगा दी गई है। हिमाचल सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए ड्रेस कोड और सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेशों में सरकार ने स्पष्ट किया कि सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की वेशभूषा साफ-सुथरी, सादगीपूर्ण और पेशेवर होनी चाहिए। ऑर्डर में कहा गया कि कार्यस्थल पर अनुशासन, गरिमा और प्रोफेशनल छवि बनाए रखना जरूरी है। इन आदेशों के बाद पुरुष कर्मचारी ऑफिस में शर्ट-पैंट, ट्राउजर जैसे औपचारिक कपड़े पहन कर आएंगे। वहीं, महिला कर्मचारियों के लिए साड़ी, सूट-सलवार-कमीज, फॉर्मल ड्रेस निर्धारित की गई है। जींस, टी-शर्ट और कैजुअल व पार्टी वियर से परहेज करने को कहा गया है। इन आदेशों की अवहेलना करने को गंभीर उल्लंघन माना जाएगा और संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

नीतीश की समृद्धि यात्रा में आलू-प्याज की लूट:

कर्मचारी नींबू लेकर भागे; मुंगेर में सब्जियों से 'समृद्धि यात्रा' लिखा था; सीएम के जाते ही टूट पड़े लोग

मुंगेर, एजेंसी। नीतीश कुमार समृद्धि यात्रा के चौथे चरण में आज यानी गुरुवार को मुंगेर पहुंचे थे। उनकी यात्रा खत्म होते ही आलू, प्याज, नींबू, बैंगन समेत अन्य सब्जियों की लूट शुरू हो गई। नीतीश के स्वागत में सब्जियों से समृद्धि यात्रा लिखा गया था। जैसे ही नीतीश कुमार सभा खत्म करके निकले, लोग सब्जियों पर टूट पड़े। बकायदा झोले में वो सब्जियां भरकर ले गए।

अधिकारी लोगों को समझाते रहे, लेकिन किसी ने नहीं सुनी। कोई नींबू तो कोई प्याज और आलू झोले में भरता दिखा। सब्जियों से सजावट कृषि विभाग की तरफ से की गई थी।

भाषण खत्म सीट पर गए, फिर आकर भाषण देने लगे : सभा को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने बिना नाम लिए लालू यादव पर निशाना साधा। सीएम ने कहा, 2005 से पहली वाली सरकार ने कुछ काम नहीं किया। शाम के बाद लोग निकलते नहीं थे। लेकिन हम लोगों ने सबकुछ बदला। अब बिहार में कानून का राज है।

पहले शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य व्यवस्था का बुरा हाल था। वो लोग किसी के लिए कुछ नहीं करते थे। हम लोगों के आने के बाद तेजी से विकास हुआ।

संबोधन के दौरान बीच में उठकर जा रही महिलाओं से छूरू ने कहा- ऐ इधर-उधर मत जाओ, बैठो चुपचाप सुनो। जानोगी तभी ना सभी को बता पाओगी।

अपना संबोधन खत्म करने के बाद नीतीश मंच पर मौजूद नेताओं के पास पहुंचे। उन्होंने सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखा। इसके बाद वे दोबार माइक के पास आए और भाषण देने लगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार आगे बढ़ रहा है। आने वाले समय में और आगे बढ़ेगा, इसलिए इन लोगों को धन्यवाद कीजिए।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव

असम में भाजपा की पहली लिस्ट जारी, सीएम हिमंता जालुकबारी से सातवीं बार चुनाव लड़ेंगे

एक दिन पहले कांग्रेस से आए सांसद बोरदोलोई को भी टिकट

कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/ चेन्नई, एजेंसी। बीजेपी ने गुरुवार को असम विधानसभा चुनाव के लिए पहली लिस्ट जारी की। इसमें सीएम हिमंता बिस्व सरमा सहित 88 नाम हैं। एक दिन पहले भाजपा जॉइन करने वाले कांग्रेस सांसद प्रद्युत बोरदोलोई को दिसपुर से उम्मीदवार बनाया गया है। हिमंता अपनी परंपरागत सीट जालुकबारी से चुनाव लड़ेंगे। वे सातवीं बार इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उधर 25 दिन पहले भाजपा में आए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा को भी टिकट दिया गया है। असम में 126 सीटें हैं। बीजेपी 126 विधानसभा सीटों में से 89 पर चुनाव लड़ेगी। बाकी 37 में से असम गण परिषद (एजीपी) को 26, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) को 11 सीटें दी गई हैं।

केरल में बीजेपी ने दूसरी लिस्ट जारी की : उधर, केरल विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने गुरुवार को कैंडिडेट्स की दूसरी लिस्ट जारी की है। इसमें 39 कैंडिडेट्स के नाम शामिल हैं। अब तक जारी दो लिस्ट में पार्टी 86 कैंडिडेट्स के नाम घोषित कर चुकी है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री पद का दावेदार नहीं हूं। मैं चुनाव नहीं लड़ रहा हूं। सीएम चुने गए विधायकों में से होना चाहिए।

प्रद्युत बोरदोलोई बोले- असम में रोजगार बढ़ाएंगे, लोगों का जीवन स्तर सुधारेंगे : असम के दिसपुर से बीजेपी कैंडिडेट प्रद्युत बोरदोलोई ने कहा कि हिमंत बिस्वा सरमा एक बेहद सक्षम और मेहनती नेता हैं।

चुनाव आयोग ने कहा- इस बार आजाद भारत के सबसे पारदर्शी चुनाव होंगे

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद चुनाव आयोग ने कहा है कि इस बार का चुनाव स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे पारदर्शी चुनाव होगा। पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और बिना किसी दबाव के कराई जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग किसी भी तरह की हिंसा, धमकी या मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश पर जीरो टॉलरेंस रखता है। आयोग ने सभी राज्यों की प्रशासनिक मशीनरी को निर्देश दिए हैं कि चुनाव के दौरान हिंसा, बूथ कैप्चरिंग या 'छप्पा वोटिंग' जैसी घटनाएं बिल्कुल न हों। निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए 1,111 केंद्रीय ऑब्जर्वर तैनात किए गए हैं और कई राज्यों में बड़े स्तर पर अधिकारियों के तबादले भी किए गए हैं।

शशि थरूर बोले- मेरा काम प्रचार करने का है

केरल विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री पद का दावेदार नहीं हूं। मैं चुनाव नहीं लड़ रहा हूं और आदर्श रूप से मुख्यमंत्री का चयन चुने गए विधायकों में से होना चाहिए। न्यूज एजेंसी PTI को दिए इंटरव्यू में थरूर ने कहा कि मेरा रोल पूरे राज्य में प्रचार करने का है। मैं राज्य के हर हिस्से में कैंपेन करूंगा। थरूर ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर मैं चुनाव से पहले ष्टरूफेस प्रोजेक्ट करने के पक्ष में हूं, लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं करती। पार्टी चुनाव एजेंडा और संगठन के आधार पर लड़ती है और जीत के बाद चुने गए विधायकों से राय लेकर नेता तय करती है।

एनटीके ने जारी किया घोषणापत्र, 49 विषयों पर कई महत्वपूर्ण वादे

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में राज्य की सभी 234 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने वाली पार्टी नाम तमिलर कांची (एनटीके) ने आज अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया। पार्टी ने प्रशासनिक सुविधा के लिए तमिलनाडु के पांच शहरों को राजधानी के रूप में विकसित करने सहित 49 महत्वपूर्ण वादे किए हैं। गुरुवार को एनटीके पार्टी के मुख्य समन्वयक सीमान ने चेन्नई में पार्टी का चुनावी घोषणा पत्र जारी किया। करीब 462 पृष्ठों के इस विस्तृत घोषणा पत्र में 49 विषयों पर कई महत्वपूर्ण वादे किए गए हैं। इनमें सबसे प्रमुख रूप से पार्टी ने प्रशासनिक सुविधा के लिए तमिलनाडु के पांच शहरों को राजधानी के रूप में विकसित करने का वादा किया है।

बंगाल विस चुनाव : चुनाव आयोग ने 15 आईपीएस अधिकारियों को राज्य से बाहर भेजा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में अगले महीने होने वाले दो चरणों के विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए 15 भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों की राज्य सरकार द्वारा की गई वैकल्पिक तैनाती रद्द कर दी है। आयोग ने इन अधिकारियों को अन्य चुनावी राज्यों में पुलिस पर्यवेक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त करने का निर्णय लिया है। बुधवार देर रात जारी अधिसूचना में आयोग ने स्पष्ट किया कि जिन अधिकारियों को पहले उनके पदों से हटाकर चुनाव संबंधी जिम्मेदारियों से अलग किया गया था, उन्हें राज्य के भीतर अन्य पदों पर रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती। जिन आईपीएस अधिकारियों को राज्य से बाहर भेजा गया है उनमें आकाश माघरिया, आलोक राजोरिया, अमनदीप, अभिजीत बनर्जी, भास्कर मुखर्जी, सी. सुधाकर, धृतिमान सरकार, इंदिरा मुखर्जी, मुरलीधर, मुकेश, प्रवीण कुमार त्रिपाठी, प्रियब्रत राय, संदीप कर्रा, राशिद मुनीर खान और सैयद वकार राजा शामिल हैं।

राजस्थान से 1.44 लाख करोड़ रुपये बकाया वसूलेगा पंजाबः सीएम भगवंत मान का बड़ा एलान

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार द्वारा राजस्थान सरकार के पास दशकों से बिना भुगतान किए पानी के उपयोग के लिए 1.44 लाख करोड़ रुपये की वसूली का दावा पेश किया जाएगा। उन्होंने साथ ही कहा कि राजस्थान को या तो पंजाब के जायज बकाए जारी करने चाहिए या पानी लेना बंद कर देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस व्यवस्था को संचालित करने वाले वर्ष 1920 के ऐतिहासिक समझौते की समीक्षा करने की मांग की। मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'राजस्थान सरकार वर्ष 1960 से फिरोजपुर फीडर के जरिए निकाले गए पानी के लिए पंजाब को 1.44 लाख करोड़ रुपये की देनदार है, जिसके लिए एक पैसा भी अदा नहीं किया गया है। राजस्थान को या तो पंजाब का जायज बकाया जारी करना चाहिए या पानी लेना बंद करना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि साल 1920 के दशक में बीकानेर रियासत, साझा पंजाब और ब्रिटिश राज के बीच हुए एक समझौते के अनुसार राजस्थान प्रति एकड़ के आधार पर पानी का भुगतान करने के लिए सहमत हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा, 'साल 1960 तक भुगतान किए जाते थे, लेकिन सिंधु जल समझौते के बाद राजस्थान ने लगातार 18,000 क्यूसेक पानी लेने के बावजूद भुगतान करना बंद कर दिया।' राजस्थान के रुख में विरोधाभास का जिक्र करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'आज भी, राजस्थान 1920 के समझौते के तहत पानी ले रहा है, लेकिन जब बकाए के भुगतान की बात आती है तो यह 1960 के समझौते का सहारा ले लेता है।' उन्होंने आगे कहा, 'उस समय की सरकारों ने 1960 में नई व्यवस्था में शामिल होते समय भुगतान का जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने 1920 के समझौते को भी कभी रद्द नहीं किया।' इस मामले में पिछले समय की कार्रवाइयों पर गंभीर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'समझौते में स्पष्ट रूप से हर 25 साल बाद समीक्षा को अनिवार्य किया गया था, लेकिन पिछली सरकारों ने कभी भी इस मुद्दे को नहीं उठाया और न ही पंजाब के जायज दावे की पैरवी की।'

राजस्थान पर पंजाब का 1.44 लाख करोड़ रुपये बकाया है: मान : ऐतिहासिक संदर्भ को दोहराते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'वर्ष 1920 में ब्रिटिश राज के दौरान बीकानेर के साथ हुए एक समझौते के तहत 1960 तक पंजाब का 18,000 क्यूसेक पानी लगातार सप्लाई किया जाता रहा। हालांकि, सिंधु जल संधि के बाद इस समझौते का कोई जिक्र नहीं था। अगर हम 1960 से 2026 तक के बकाए का हिसाब लगाएं तो राजस्थान पंजाब का ?1.44 लाख करोड़ बकाया है।' मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'हमने यह मुद्दा केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार, दोनों के पास उठाया है।' उन्होंने आगे कहा, 'पंजाब सरकार ने राजस्थान सरकार को इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए बैठक की मांग करने के लिए एक पत्र भी लिखा है।' मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि पंजाब इस मामले को मजबूती से आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार साल 1920 के समझौते की समीक्षा की मांग करती है ताकि पंजाब अपने जायज बकाए की वसूली कर सके। हम इस मुद्दे को सभी मंचों पर जोरदार तरीके से उठाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि पंजाब को वह मिले, जो उसका हक है। हम इस पैसे की वसूली के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।'

कानपुर में बुजुर्ग महिला को छह दिन रखा डिजिटल अरेस्ट, ठगे 21 लाख

कानपुर, एजेंसी। किदवई नगर में एक वृद्धा साइबर ठगी की शिकार हो गई। ठग ने खुद को मुंबई का पुलिस आयुक्त बताकर छह दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। आतंकी घटनाओं में शामिल होने की बात कह डराया और जेल भेजने के साथ घर को सील करने की धमकी देकर 21 लाख रुपये खाते में ट्रांसफर करवा लिए। किसी तरह से हिम्मत जुटाकर वृद्धा ने एक परिचित को आपबीती बताई तो उन्हें ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद पुलिस से शिकायत की। किदवईनगर एच ब्लाक में

रहने वाली स्नेहलता ने बताया कि वह किराए के मकान में अकेले रहती हैं। बताया कि कुछ समय पहले उन्होंने कृष्णा नगर और दिल्ली के विकास सदन स्थित मकान बेचा है, जिसकी रकम उनके खाते में जमा है। दस मार्च की सुबह एक काल आई। कालर ने उन्हें आतंकी घटनाओं में उनका नाम आने की बात कहकर धमकाया। कुछ देर में पुलिस घर भेजने की बात कहकर वीडियो काल उठाने का दबाव बनाया। वीडियो काल उठाते ही सामने एक पुलिस अधिकारी अपने कार्यालय में बैठा दिखा। उसने खुद को मुंबई पुलिस आयुक्त बताया। इसके बाद अभद्रता करना शुरू कर दिया तो वह डर गई। इसके बाद जेल भेजने की धमकी दी। कहा कि अगर खुद को बचाव करना है तो रुपये देने होंगे। दहशत में वह उनके झांसे में आ गई। इसके बाद 13 मार्च को स्टेट बैंक आफ इंडिया खाते से 20 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। 16 मार्च को भी आरटीजीएस व अन्य माध्यमों से 50 हजार, 49 हजार और 1 हजार रुपये और ट्रांसफर करवाए। रुपये ट्रांसफर करवाने के बाद आरोपितों ने उन्हें काल नहीं की। स्नेहलता ने बताया कि उनका एक मकान शहर में और है, जिसको बेचने की बात चल रही है। इसी सिलसिले में उन्हें बाहर जाना था। आरोपित ने उन्हें घर के बाहर जाने या किसी के घर आने से रोक दिया था, लेकिन जब उन्हें 80 लाख रुपये में मकान का सौदा होने की जानकारी हुई तो उन्हें घर से जाने दिया। ठगों ने 80 लाख रुपये खाते में ट्रांसफर होने की जानकारी मांगी, लेकिन वह टाल गई। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साइबर सेल की मदद से रुपये वापस कराने का प्रयास किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 400 किलो कुट्टू आटा जब्त

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। खाद्य सुरक्षा के मानकों को लेकर जिला खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले के विभिन्न बाजारों में अभियान चलाकर संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए। इस दौरान विभाग की टीम ने करीब 400 किलो कुट्टू के आटे को सीज किया व सात नमूने संग्रहित किए। इन नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि उनकी टीम ने बुधवार को कुलेसरा स्थित संतोष ट्रेडर्स पर छापा मारा। यहां 240 किग्रा कुट्टू आटा खुला हुआ मिला, जिसका बिल वाउचर नहीं पाया गया। इस पर निर्माण तिथि का अंकन भी नहीं पाया गया। इसके अतिरिक्त 250 ग्राम के बिना निर्माण तिथि व बैच नंबर अंकन के कुट्टू आटा के 244 पैकेट पाए। इनके एक-एक नमूना लेकर शेष 238 किग्रा खुला व 240 पैकेट कुट्टू आटा सीज किया गया। कुलेसरा में ही मुस्कान ट्रेडर्स पर 70 किग्रा कुट्टू आटा खुला हुआ पाया गया, जिसका बिल बाउचर नहीं मिला। इस पर निर्माण तिथि का अंकन भी नहीं मिला। 250 ग्राम के बिना निर्माण तिथि व बैच नंबर के अंकन के कुट्टू आटा के 145 पैकेट पाए, जिनके एक-एक नमूने लेकर 70 किलो खुला व 141 पैकेट कुट्टू आटा सीज किया गया। इस तरह से करीब 400 किलोग्राम कुट्टू आटा सीज किया गया। सेक्टर 49 नोएडा स्थित श्याम डीएसबी फुलफिलमेंट साल्यूशन से एक नमूना कुट्टू आटा व एक नमूना सिंघाड़े के आटा का लिया गया। यूनिवर्सिटी रोड कासना स्थित रघुनाथ प्रसाद किराना से किसमिस का एक नमूना लिया गया। इस प्रकार कुल सात नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे जा रहे हैं।

नोएडा में बगैर सुरक्षा मानकों के चल रही फैक्ट्री में लगी आग में कामगार की मौत, फैक्ट्री बंद

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-4 में एक फैक्ट्री में लगी आग में हुई कामगार की मौत के बाद हुई जांच में तमाम खामियां उजागर हुईं। यह जांच सहायक निदेशक कारखाना ने अपनी टीम के साथ की। जांच के बाद फैक्ट्री में उत्पादन कार्य पर प्रतिबंध कर दिया है। कंपनी मालिक और प्रबंधक से एक सप्ताह में जवाब मांगा गया है। जवाब नहीं मिलने पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में वाद दायर किया जाएगा। सेक्टर-4 स्थित कैपिटल पावर सिस्टम फैक्ट्री में 12 मार्च की सुबह पांच बजे नाइट शिफ्ट के दौरान आग लग गई थी। घटना में 35 कामगार घायल हुए। एक कामगार की मौत हो गई। मृतक का शव तीन दिन बाद स्टोर में मिला। बुधवार को सहायक निदेशक कारखाना राम बहादुर ने सहायक निदेशक संदीप कुमार सिंह, श्रम प्रवर्तन अधिकारी सुप्रिया द्विवेदी और जितेंद्र सिंह भदौरिया के साथ फैक्ट्री की जांच की। जांच में पाया कि फैक्ट्री के चारों ओर जगह खाली नहीं थी। आग शार्ट सर्किट से लगी। फैक्ट्री में वायरिंग पुरानी थी। अधिक क्षमता की अतिरिक्त मशीनें होने की वजह से शार्ट सर्किट हुआ। फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से विद्युत सुरक्षा का प्रमाण-पत्र नहीं लिया गया था। दो बेसमेंट ग्राउंड और अतिरिक्त दो फ्लोर की फायर एनओसी ले रखी थी। जबकि, ऊपर छत पर अतिरिक्त निर्माण कर वहां भी उत्पादन का कार्य किया जा रहा था। नाइट शिफ्ट के दौरान फैक्ट्री में आग बुझाने के प्रशिक्षित कर्मी तैनात नहीं थे। यह सभी कमियां जांच के दौरान मिलीं। घटना के वक्त स्मोक डिटेक्टर चालू नहीं थे। फैक्ट्री में ज्वलनशील पदार्थ स्टोर किया गया था। यहां भी सुरक्षा मानकों का ध्यान नहीं दिया गया। सहायक निदेशक कारखाना राम बहादुर ने बताया अग्रिम निर्देश तक उत्पादन बंद करा दिया गया है। फैक्ट्री मालिक और प्रबंधन से जवाब मांगा गया है। जवाब नहीं मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहा था आरोपी, जवाबी फायरिंग में पैर में लगी गोली, सिपाही भी घायल

कानपुर , एजेंसी। फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में पांच दिन पूर्व अलीगंज रोड पर महिला से कुंडल लूट के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गुरुवार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान कुलदीप निवासी पटियाली (कासगंज) के रूप में हुई है। पुलिस उसे लूटे गए कुंडलों की बरामदगी के लिए गांव विराहिमपुर ले गई थी, जहां उसने पहले से छिपाए गए तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसे पकड़ लिया। मुठभेड़ के दौरान कुलदीप के पैर में गोली लगी।

अमेरिका में गाजियाबाद की सबा हैदर ने जीता स्टेट रिप्रेजेंटेटिव प्राइमरी चुनाव

अब Trump की पार्टी से होगा सामना

गाजियाबाद, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय मूल की सबा हैदर ने इलिनोइस में स्टेट रिप्रेजेंटेटिव पद के लिए हुए प्राइमरी चुनाव में शानदार जीत दर्ज की है। उन्होंने अपनी डेमोक्रेटिव पार्टी के ही प्रतिद्वंद्वी जैरेड ब्लागर को बड़े अंतर से चुनाव में पराजित किया। प्राइमरी इलेक्शन में जीत दर्ज करने के बाद सबा नवंबर में होने वाले मुख्य चुनाव में डेमोक्रेटिव पार्टी की उम्मीदवार होंगी, जिनका मुख्य मुकाबला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिक पार्टी के उम्मीदवार से होगा। सबा हैदर वर्तमान में अमेरिका में ड्यूपेज काउंटी बोर्ड की सदस्य और काउंटी कमिश्नर हैं। वर्ष 2024 में उन्होंने काउंटी कमिश्नर का चुनाव जीतकर अमेरिकी राजनीति में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। अब स्टेट रिप्रेजेंटेटिव के प्राइमरी चुनाव में जीत के साथ उनकी राजनीतिक हैसियत और मजबूत हो गई है। दैनिक जागरण

संवाददाता से मोबाइल फोन पर हुई बातचीत में सबा हैदर ने बताया कि मतगणना का पल काफी उत्साहपूर्ण रहा। उन्होंने बताया कि चुनाव कैंपेन में उन्होंने सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ ही प्रवासी भारतीयों के हकों की रक्षा को प्रमुखता दी और ड्यूपेज काउंटी बोर्ड की सदस्य और काउंटी कमिश्नर के पद की गरिमा को समझते हुए काम करके दिखाया। यही वजह रही कि यहां के हर वर्ग व समुदाय के लोगों ने भरपूर वोट दिए। अमेरिका की ड्यूपेज काउंटी में शाम के करीब 6:30 बजे थे, जब भारतीय समयानुसार सुबह के छह बजे थे। यानी करीब 11:30 घंटे का अंतर। अमेरिका इलिनोइस में स्टेट रिप्रेजेंटेटिव के चुनाव की मतगणना चल रही थी, जो भारतीय समयानुसार रात भर चली और सुबह छह बजे परिणाम आया, जिसमें सबा हैदर ने बड़े अंतर से प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की। गाजियाबाद में उनका परिवार जागता रहा और मतगणना की जानकारी लेता रहा। सबा हैदर की अम्मी महजबी हैदर, पापा हैदर अली, भाई अब्बास हैदर और जीशान हैदर मतगणना संपन्न होने तक काल करते रहे और जीत की पुष्टि होने पर मुबारकबाद दी।

अमेरिका तक कामयाब सफर

सबा हैदर गाजियाबाद के चित्रगुप्त विहार में सैयद हैदर की बेटी हैं। उन्होंने होली चाइल्ड स्कूल से 12वीं, राम चमेली चड्ढा विश्वास गर्ल्स कालेज से बीएससी और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से वाइल्डलाइफ साइंसेज में एमएससी किया। वर्ष 2006 में अली काजमी से शादी के बाद वह 2007 में अमेरिका शिफ्ट हो गईं। अमेरिका में सबा ने विभिन्न सामाजिक कार्यों में हिस्सा लिया और योग प्रशिक्षण दिया। पब्लिक हेल्थ बोर्ड, इंडियन प्रेयरी एजुकेशनल फाउंडेशन, और इंडियन प्रेयरी पेरेंट्स काउंसिल जैसे संगठनों में नेतृत्व के अवसर मिले।

गाजियाबाद के राजनगर में जीडीए की बड़ी कार्रवाई

नक्शे के हिसाब से नहीं बनाई गईं 7 इमारतें सील

गाजियाबाद, एजेंसी। प्राधिकरण ने अवैध निर्माण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की है। बुधवार को राजनगर क्षेत्र में स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए जा रहे कई निर्माणाधीन भवनों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। बुधवार को प्रभारी प्रवर्तन जोन-3 राजीव रतन सिंह के नेतृत्व में राजनगर में नक्शा विपरीत किए जा रहे भवन निर्माण पर सीलिंग की कार्रवाई को अंजाम दकिया गया। प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार इनमें भवन संख्या आर-6/112, आर-11/20, आर-9/179, आर-4/18, आर-6/180, आर-6/147 तथा आर-4/3 को अनाधिकृत निर्माण के चलते सील कर दिया गया। बताया गया कि इन भवनों के मालिकान को पूर्व में नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 की धाराओं के तहत चालानी कार्रवाई के बावजूद शमन आवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उन्होंने शमन आवेदन प्रस्तुत नहीं किए। प्रवर्तन प्रभारी के अनुसार समय पर शमन आवेदन प्रस्तुत नहीं किए गए तो राजनगर समेत अन्य कालोनियों तथा मोरटा क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों के विरुद्ध भी सीलिंग एवं ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

उकसाया गया तो देंगे जवाब, खाड़ी देशों पर हमले बर्दाश्त नहीं', सऊदी अरब की ईरान को दो टूक

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने ईरान के साथ चल रहे संघर्ष के बीच अपनी प्राथमिकताएं साफ कर दी हैं। सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद ने कहा है कि उनका सबसे पहला लक्ष्य खाड़ी देशों पर हो रहे हमलों को रोकना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका देश क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने पर ध्यान दे रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर उकसाया गया, तो सऊदी अरब ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। रियाद में विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रिंस फैसल ने कहा कि वह केवल यह चाहते हैं कि उनके देश और पड़ोसी देशों पर हमले बंद हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये पड़ोसी देश इस संघर्ष का हिस्सा नहीं हैं। सऊदी अरब इन हमलों को रोकने के लिए राजनीतिक, आर्थिक और

कूटनीतिक जैसे हर संभव रास्ते का इस्तेमाल करेगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि वह दबाव के आगे नहीं झुकेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान अपने पड़ोसियों से बात करने में यकीन नहीं रखता, बल्कि वह उन पर दबाव बनाने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि ईरान की यह रणनीति पूरी तरह नाकाम साबित होगी और इसका उल्टा असर पड़ेगा। प्रिंस फैसल के अनुसार, ईरान पर जो थोड़ा-बहुत भरोसा बचा था, वह अब पूरी तरह खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों पर ईरान के हमले पहले से तय थे और मौजूदा हालात इस बात की पुष्टि करते हैं। सऊदी विदेश मंत्री ने उम्मीद जताई कि तेहरान अपनी हरकतों पर फिर से विचार करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान को आज की बैठक का संदेश समझना चाहिए और अपने पड़ोसियों पर हमले तुरंत बंद करने चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, प्रिंस फैसल ने ईरान पर नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने ईरान के उस तर्क को भी खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि ये हमले अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मौजूदगी के कारण किए गए। सऊदी अरब ने इस बहाने को पूरी तरह से अविश्वसनीय बताया है। बैठक में शामिल अन्य विदेश मंत्रियों ने भी सहमति जताई कि ईरान को अपने प्रॉक्सी समूहों (हथियारबंद गुटों) को समर्थन देना तुरंत बंद करना चाहिए। प्रिंस फैसल ने ऊर्जा ठिकानों पर हुए हमलों को ब्लैकमेल करने की कोशिश करार दिया।

युद्ध की विभीषिका के बीच बीता रमजान, पश्चिम एशिया में तनाव के बीच खाड़ी देशों में ईद आज

दुबई, एजेंसी। खाड़ी देशों में इस बार ईद का त्योहार एक बेहद चुनौतीपूर्ण और अनिश्चित माहौल में मनाया जाने वाला है। आसमान में मिसाइलों और ड्रोनों की हलचल, सायरन की आवाजें और डर के बीच लोग शुक्रवार को ईद मनाने की तैयारी कर रहे हैं। यह दिन रोजों के महीने रमजान के समापन का प्रतीक है। पश्चिम एशिया के मौजूदा हालातों में ईद के दौरान कोई खास राहत मिलने की संभावना कम ही दिख रही हैं। बार-बार मिलने वाली चेतावनियों के कारण ज्यादातर परिवार घरों में ही रहने को मजबूर हैं। बच्चों की स्कूल की पढ़ाई ऑनलाइन चल रही है। हालांकि, डर के बावजूद कुछ लोग सामान्य जीवन जीने की कोशिश में बाजारों का रुख कर रहे हैं। अबू धाबी में रहने वाले एक भारतीय इंजीनियर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, कि लोग इस स्थिति के लंबे समय तक चलने वाले असर को लेकर चिंतित हैं। वहीं, जेद्दा में

काम करने वाले एक भारतीय स्वास्थ्यकर्मी ने कहा कि यह एक बुरा दौर है जो जल्द ही बीत जाएगा। इस बीच सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने एलान किया है कि इस साल ईद की नमाज खुले मैदानों के बजाय केवल मस्जिदों के अंदर ही होगी। वहीं कतर ने भी सुरक्षा कारणों से घोषणा की है कि इस वर्ष की ईद-उल-फितर की नमाज पूरे देश की मस्जिदों में, इमारतों के अंदर ही अदा की जाएगी। प्रशासन का मकसद नमाजियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हालांकि इन सबके बावजूद, महिलाएं आखिरी समय की खरीदारी के लिए मॉल जा रही हैं। सरकारी अधिकारी एक-दूसरे को ईद की बधाई दे रहे हैं। प्रशासन आसमान की सुरक्षा के साथ-साथ जमीन पर भी व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिन-रात काम कर रहा है। हर कोई यही दुआ कर रहा है कि इस ईद के साथ युद्ध खत्म होने या कम से कम युद्धविराम की कोई अच्छी खबर आए।

हालांकि, जो लोग किसी तरह हवाई जहाज की सीटें बुक करवाने में कामयाब रहे हैं और जिन्हें घर से काम करने की सुविधा मिली है उन्होंने अपने वतन वापस लौटने का ही फैसला किया है।

ट्रंप के टैरिफ का उल्टा असरः अमेरिकी उद्योगों को नुकसान, श्रमिक वर्ग भी नाराज; उद्योगपतियों ने उठाए सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप के समर्थक उद्योगपति जे. एलन ने कहा, उद्योगपतियों ने इस भरोसे के साथ ट्रंप को वोट दिया था कि रिपब्लिकन नेता करों में कटौती और नियमों में ढील देंगे, जिससे उनके विनिर्माण व्यवसाय को मदद मिलेगी। लेकिन ट्रंप के आर्थिक एजेंडे के मूल में मौजूद टैरिफ ने उनकी कंपनी एलन इंजीनियरिंग कॉर्प को चौपट किया है। आयात करों ने विदेशों में बने इंजनों, स्टील, गियरबॉक्स और क्लच की लागत भी बढ़ा दी है। इसके चलते पावर ट्रॉवेल निर्माण के दाम एक लाख डॉलर तक हो सकते हैं। ट्रंप ने टैरिफ को अमेरिकी कारखानों की मदद करने वाला बताया था लेकिन देखने में आ रहा है कि वे वास्तव में देशभर के कई उद्योगों और उत्पादन इकाइयों को कुचल रहे हैं।

कीमतें बढ़ेंगी, हालात और भी गंभीरः ट्रंप प्रशासन फरवरी में सुप्रीम

कोर्ट से अवैध घोषित आयात करों के स्थान पर नए टैरिफ बनाने के लिए संघर्ष कर रहा है। इससे हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। देश के विनिर्माण उद्योगपति क्रेसन क्रू ने कहा, टैरिफ के कारण उन्होंने 2025 में अपनी कंपनी को घाटे में चलाया। उनके यहां कर्मचारियों की संख्या 205 से घटकर 140 रह गई। बिक्री में कमी पर भी उन्होंने कीमतें 8-10% बढ़ाई हैं।

कंपनियों के लिए योजना बनाना भी मुश्किल : अगले दशक में संघीय घाटे में वृद्धि होने का अनुमान है। आर्थिक नीति समूह एम्प्लाई अमेरिका के ईडी स्कंदा अमरनाथ ने कहा, ट्रंप के टैरिफ से विनिर्माण में कोई वृद्धि नहीं दिखती। इस क्षेत्र में कोई नया पुनर्जागरण भी नहीं हो रहा है। टैरिफ पर अनिश्चितता ने निवेश को हतोत्साहित किया है। टैरिफ लगाने के लिए कांग्रेस को दरकिनार करने से छोटी विनिर्माण कंपनियों को योजना बनाना भी मुश्किल कर दिया है।

जजों पर निजी टिप्पणी खतरनाक, इसे रोकना होगा : सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने चेताया कि संघीय जजों की निजी आलोचना खतरनाक है और इसे रोकना होगा। यह चेतावनी उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा प्रशासन के खिलाफ फैसला सुनाने वाले एक संघीय जज को सनकी, नीच, बेईमान और पूरी तरह से बेकाबू कहने के दो दिन बाद दी।

रॉबर्ट्स ने ट्रंप या किसी और को निशाना बनाने से परहेज किया और जोर दिया कि जजों पर हमले किसी एक राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं हो रहे हैं। रॉबर्ट्स ने ह्यूस्टन में कहा, न्यायिक राय की आलोचना न्यायिक पेशे का हिस्सा है और यह स्वस्थ भी हो सकती है। लेकिन जब आलोचना कानूनी विश्लेषण से हटकर दूसरी दिशा में चली जाती है तो मामला अलग हो जाता है।

जज बोसबर्ग को कहा- सिंड्रोम पीड़ित : ट्रंप ने न्यायाधीश बोसबर्ग के बारे में लिखा कि वह एक सनकी, दुष्ट, बेईमान और पूरी तरह से बेकाबू जज हैं, जो ट्रंप डिरेजमेंट सिंड्रोम के उच्चतम स्तर से पीड़ित हैं और वर्षों से मेरे लोगों और मेरे पीछे पड़े हैं। पिछले साल, रॉबर्ट्स ने सार्वजनिक रूप से ट्रंप की बोसबर्ग के महाभियोग की मांग को खारिज कर दिया था। उन्होंने अल साल्वाडोर की एक कुख्यात जेल में अतिरिक्त निर्वासन को रोक दिया था।

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का भव्य शुभारंभ, विधायक रीती पाठक सहित जनप्रतिनिधियों ने किया श्रमदान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तृतीय चरण का जिला स्तरीय शुभारंभ जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बम्हनी स्थित देवनाढ़ नदी के तट पर भव्य रूप से संपन्न हुआ कार्यक्रम में विधायक रीती पाठक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं जिला स्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः शिव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना से हुई इसके पश्चात पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों महिलाओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया कलश यात्रा भूमिपूजन स्थल पहुंची जहां देवनाढ़ नदी के जीर्णोद्धार एवं सफाई कार्य के लिए विधिवत भूमिपूजन किया गया। उपस्थित जनसमूह द्वारा श्रमदान कर नदी के संरक्षण और पुनर्जीवन की दिशा में कार्य प्रारंभ किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रीती पाठक ने कहा कि जल प्रकृति की सबसे अनमोल धरोहर है और इसके बिना जीवन की कल्पना असंभव है। उन्होंने कहा, जल है तभी जीवन है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह जल संरक्षण के प्रति गंभीरता से कार्य करे। उन्होंने अभियान को जन-जन का अभियान बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण, पुनर्जीवन और संवर्धन करना है उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास के जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखें, जल का दुरुपयोग रोकें और हर बूंद के संरक्षण का संकल्प लें विधायक ने उपस्थित जनसमुदाय को भारतीय नववर्ष एवं चौत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में जनपद पंचायत के अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह परिहार ने कहा कि यह अभियान आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखने का महत्वपूर्ण कदम है।

सांस्कृतिक शिक्षा समिति द्वारा 'आदि विक्रमादित्य' नाटक का सफल मंचन

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। रंग अनुभव सांस्कृतिक शिक्षा समिति, के तत्वावधान में पचमठा आश्रम प्रांगण में 'आदि विक्रमादित्य नाटक का भव्य मंचन किया गया। इस कार्यक्रम को मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग, महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ संस्थान उज्जैन मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय भोपाल और जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित किया गया नाटक का आयोजन चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ के अवसर पर किया गया, जो हिन्दू नव वर्ष का प्रारंभ भी माना जाता है। यह परंपरा प्राचीन भारत के महान, प्रतापी और न्यायप्रिय सम्राट आदि विक्रमादित्यसे जुड़ी है, जिन्होंने 57 ईसा पूर्व शकों को पराजित कर विक्रम संवत की शुरुआत की। उज्जैन को अपनी राजधानी बनाकर उन्होंने न्याय, वीरता और बुद्धिमानी के आदर्श प्रस्तुत किए। उनके दरबार में नवरत्न विद्वान रहते थे और 'सिंहासन बत्तीसी' तथा 'वेताल पच्चीसी' जैसी कहानियाँ उनके न्याय, साहस और विवेक की मिसाल मानी जाती हैं। उनके शासनकाल को भारत का स्वर्ण युग कहा जाता है जिसमें प्रजा समृद्ध और सनातन धर्म संरक्षित था संस्था के संयोजक सुमन मिश्रा ने बताया कि नाटक में 20 कलाकारों ने भाग लिया। इसमें गीत, संगीत और नृत्य का समावेश किया गया जिससे नाटक ने दर्शकों पर गहरा प्रभाव डाला नाट्य प्रस्तुति में शामिल प्रमुख कलाकारों में आशीष, श्रेया, अंशिका, खुशी, साक्षी, मुकुल, मोहित, सागर, प्रफुल्ल, शिवानी, राज, बादल, रत्नेश, शांभवी आदि कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया ।

के.एन. मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भगंदर का सफल ऑपरेशन, मरीज स्वस्थ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आज दिनांक 19 मार्च 2026 को गढ़ स्थित के.एन. मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में एक जटिल शल्य चिकित्सा को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया ग्राम लौरी नंबर 3 के निवासी त्रिवेणी प्रसाद कुशवाहा, पिता संजय कुशवाहा का भगंदर (फिस्टुला) का सफल ऑपरेशन किया गया अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा यह सर्जरी पूरी सावधानी और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से की गई। चिकित्सकों के अनुसार भगंदर एक जटिल समस्या होती है, जिसमें सटीक उपचार और अनुभवी डॉक्टरों की आवश्यकता होती है। समय पर उपचार न मिलने पर यह बीमारी गंभीर रूप ले सकती है लेकिन सही चिकित्सा से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति सामान्य और स्थिर बताई जा रही है चिकित्सकों ने बताया कि त्रिवेणी प्रसाद कुशवाहा अब खतरे से बाहर हैं और उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। जल्द ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिलने की संभावना है अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि के.एन. मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और अनुभवी डॉक्टरों की टीम उपलब्ध है जिससे जटिल से जटिल ऑपरेशन भी सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को भी अब बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल रही हैं जिससे उन्हें दूर-दराज के बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता कम हो गई है इस सफल ऑपरेशन से न केवल मरीज और उनके परिवार में खुशी का माहौल है बल्कि क्षेत्र के लोगों का अस्पताल पर विश्वास भी और मजबूत हुआ है स्थानीय लोगों ने अस्पताल की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए बड़ी राहत बताया है।

एनएसएस विशेष शिविर का चौथा दिवस संपन्न, स्वास्थ्य परीक्षण व नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महारानी लक्ष्मी बाई कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, रीवा द्वारा ग्राम पंचायत इटौरा में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का चौथा दिवस उत्साह और जागरूकता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों के बीच स्वास्थ्य और नशा मुक्ति का संदेश प्रसारित किया कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के संचालक पुष्पेंद्र त्रिपाठी, प्राचार्या डॉ. अर्चना पटेल, विभागाध्यक्ष अब्दुल सईद खान एवं डॉ. किरण सिंह के मार्गदर्शन में किया गया शिविर के चौथे दिन की शुरुआत स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों से हुई।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजनः चौथे दिवस के अंतर्गत इटौरा स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी रंजना तिवारी द्वारा ग्रामवासियों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच करना तथा उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना था स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान लोगों को सामान्य बीमारियों से बचाव, स्वच्छता और संतुलित जीवनशैली अपनाने की सलाह दी गई।

नशा मुक्ति पर नुक्कड़ नाटकः स्वास्थ्य शिविर के पश्चात महाविद्यालय के संचालक पुष्पेंद्र त्रिपाठी एवं ग्राम पंचायत इटौरा के सचिव निलेश शुक्ला के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों द्वारा नशा मुक्ति विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया इस नाटक के माध्यम से ग्रामवासियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया स्वयंसेवकों ने प्रभावशाली प्रस्तुति के जरिए यह संदेश दिया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है नुक्कड़ नाटक के अंत में ग्रामीणों को नशा न करने की शपथ भी दिलाई गई जिससे कार्यक्रम का प्रभाव और अधिक व्यापक हुआ।

जागरूकता अभियान में स्वयंसेवकों की भूमिकाः एनएसएस प्रभारी सतेन्द्र सिंह, अनीशा शर्मा, नवीन तिवारी एवं अखिल तिवारी ने भी ग्रामवासियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने युवाओं को विशेष रूप से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

शराबी शिक्षक निलंबित :नशे में आता था स्कूल, आधे से ज्यादा बच्चे नहीं आ रहे थे स्कूल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में एक सरकारी स्कूल के शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है बरगवां थाना क्षेत्र के शासकीय प्राथमिक पाठशाला मझौली टोला मझगवा-2 में पदस्थ शिक्षक लखपति सिंह पर आरोप है कि वे रोजाना शराब के नशे में स्कूल आते थे आरोप है कि वे हाजिरी लगाकर घर चले जाते थे इस मामले से जुड़ा एक वीडियो मंगलवार को सामने आया था। स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों के मुताबिक, शिक्षक का यह व्यवहार लंबे समय से जारी था। स्कूल में नामांकित 25-30 बच्चों में से आधे से अधिक ने पढ़ाई छोड़ दी थी अभिभावकों ने आरोप लगाया कि शिक्षक शराब पीकर बच्चों से बदसलूकी करते थे और सवाल पूछने पर ग्रामीणों से भी अभद्र व्यवहार करते थे इस स्थिति के चलते अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजने से हिचक रहे थे। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मामले में कार्रवाई की मांग की थी मामले की सूचना मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी एस.बी. सिंह मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान शिक्षक लखपति सिंह नशे की हालत में पाए गए। इसके बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और आगे की विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

10 अधिकारियों का कटेगा 2 दिन का वेतन,सीएम हेल्पलाइन के काम बरती, कलेक्टर ने आदेश दिए

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने 10 अधिकारियों का दो दिन का वेतन काटने का आदेश जारी किया है इस निर्णय से प्रशासनिक महकमे में हलचल मच गई है प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन अधिकारियों को 9 मार्च 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था हालांकि, 10 विभाग प्रमुखों ने कोई संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया अधिकारियों की इस उदासीनता को गंभीरता से लेते हुए, कलेक्टर ने 18 मार्च 2026 को मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के दिशा-निर्देशों के तहत वेतन कटौती का आदेश दिया सीएमएचओ डॉक्टर बबीता खरे जिन अधिकारियों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है उनमें नवनीत राठिया (कार्यपालन यंत्री, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग), गंगाराम बघेल (उप संचालक, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण), सुमन द्विवेदी (सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण), त्रयम्बकेश द्विवेदी (कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी), प्रवेश मिश्रा (जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास), पवन कुमार सिंह (जिला शिक्षा अधिकारी), जे.एस. उइके (सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य), श्याम बहादुर सिंह (कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग), डॉ. बबिता खरे (मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी) और डॉ. एस.बी. खरे (सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक) शामिल हैं।

नेचुरल रिसोर्सेस एवं एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल समापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस एवं शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय, के भूगर्भ शास्त्र विभाग द्वारा नेचुरल रिसोर्सेस एंड एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का 18 एवं 19 मार्च 2026 को सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम में डॉ. सनत त्रिपाठी डीन, एग्रिकल्चर महाविद्यालय मुख्य अतिथि और डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी, प्राचार्य, श्रीयुत महाविद्यालय , विशिष्ट अतिथि तथा संतोष कुमार पाठक, वरिष्ठ प्रबंधक, भूविज्ञान एनएमडीसी उपस्थित रहे समापन समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र नाथ तिवारी ने की। द्वितीय दिवस के प्रथम तकनीकी सत्र में प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र नाथ तिवारी ने राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते पर्यावरणीय संकट और जल की कमी मानव सभ्यता के सामने गंभीर चुनौती बन चुकी है। उन्होंने बताया कि बढ़ती जनसंख्या, तीव्र औद्योगीकरण, शहरीकरण और संसाधनों के अनियंत्रित उपयोग के कारण जल संसाधनों पर अत्यधिक दबाव पड़ा है। वायु, जल और भूमि प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता ह्रास जैसी समस्याएँ मानव अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बन रही हैं उन्होंने भारतीय सनातन संस्कृति का उदाहरण देते हुए कहा कि शास्त्रों में प्रकृति को सम्मान की दृष्टि से देखा गया है पंचमहाभूत - जल, वायु, अग्नि, पृथ्वी और आकाश - जीवन के आधार हैं। उन्होंने वर्षा जल संचयन, जल पुनः उपयोग, सूक्ष्म सिंचाई तकनीक, भूजल पुनर्भरण और जल प्रदूषण नियंत्रण जैसे उपायों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पुजारी हत्या के बाद प्रशासन अलर्ट, नवरात्रि-ईद पर भाईचारा बनाए रखने की अपील

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कुसमी क्षेत्र में हाल ही में हुई पुजारी की हत्या के बाद प्रशासन अलर्ट मोड पर है। आगामी नवरात्रि और ईद जैसे त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार सुबह कुसमी थाना परिसर में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता तहसीलदार कुसमी नारायण सिंह और थाना प्रभारी अरूणा द्विवेदी ने की अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि हालिया घटना को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है अफवाह फैलाने या तनाव पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी कुछ दिन पहले कुसमी क्षेत्र में एक पुजारी की हत्या कर दी गई थी जिससे इलाके में संवेदनशील स्थिति बन गई थी पुलिस ने मामले की जांच कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है यह घटना के बाद पहला बड़ा त्योहार है थाना प्रभारी अरूणा द्विवेदी ने बैठक में कहा कि इस घटना से संबंधित किसी भी भ्रामक जानकारी को फैलाना कानूनन अपराध है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से फैल रही अपुष्ट खबरों पर विश्वास न करें और शांति बनाए रखें बैठक में जेई मड़वास राजेन्द्र राजपूत, मंडल अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह, विमल जायसवाल, डॉ. रईस खान, डॉ. ए.एच. अंसारी, अमित कुमार श्रीवास्तव, महावीर सिंह, रामपाल सिंह, राजबहादुर सिंह, राजेंद्र विश्वकर्मा, शिवमूरत विश्वकर्मा, संतोष कुमार गर्ग, प्रदीप शुक्ला, ऋषिकेश गुप्ता, उमेश साकेत, संजय शुक्ला और दीन चंद्र गुप्ता सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बिलौजी में विक्रमोत्सव : राज्य मंत्री ने विक्रमादित्य को बताया संस्कृति और न्याय का प्रतीक

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बिलौजी स्थित अटल सामुदायिक भवन में विक्रमोत्सव का आयोजन किया गया इस अवसर पर राज्य मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग राधा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं उनके साथ विधायक राम निवास शाह, देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम, कलेक्टर गौरव बैनल, पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी मौजूद थे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री राधा सिंह ने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य का नाम भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। वे पराक्रमी और न्यायप्रिय शासक थे जिनके नाम पर विक्रम संवत की शुरुआत हुई। यह संवत आज भी भारतीय पंचांग का प्रमुख आधार है राधा सिंह ने आगे कहा कि विक्रमादित्य केवल शासक नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति के प्रतीक रहे हैं और उनका युग परिवर्तन एवं नवजागरण का केंद्र था उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान में जनभागीदारी की अपील करते हुए जल संरक्षण और जल स्रोतों को संरक्षित रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया साथ ही, पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण पर भी जोर दिया विधायक राम निवास शाह ने विक्रम संवत को भारतीय परंपरा और संस्कारों का आधार बताया, इसे हमारी सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा हुआ करार दिया। देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम ने इस दिन को सांस्कृतिक पुनर्स्थापना का प्रतीक बताया।

'जल गंगा संवर्धन अभियान' का आगाज,नदी में बोरी बंधान से जल संरक्षण की मजबूत पहल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की जनपद पंचायत कुसमी में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का शुभारंभ किया गया है 19 मार्च 2026 को कुसमी नदी में बोरी बंधान के साथ इस अभियान का आगाज हुआ जिसका उद्देश्य जल संरक्षण को बढ़ावा देना है यह पहल मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, भोपाल के निर्देशानुसार कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में की गई। जिला पंचायत सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने भी इसमें मार्गदर्शन प्रदान किया अभियान के तहत कुसमी नदी में बोरी बंधान कर जल रोकने की व्यवस्था की गई है। इसी प्रकार का बोरी बंधान ग्राम भगवार में स्थित बरी नदी में भी किया गया इन कार्यों से कुसमी, भगवार और छपरा टोला जैसे गांवों में जल उपलब्धता सुनिश्चित होगी विशेषज्ञों के अनुसार, बोरी बंधान एक प्रभावी तकनीक है, जो बहते पानी को रोककर उसे जमीन में समाहित करती है। इससे कुओं और हैंडपंपों का जल स्तर बढ़ता है, जिससे गर्मी के मौसम में पानी की समस्या से राहत मिलती है।

संपादकीय

अब तेल भी उछलेगा

बीते साल की तुलना में रसोई गैस (एलपीजी) की खपत 17.7 फीसदी कम हुई है, लेकिन संकट और मांग अब भी व्यापक हैं। एलपीजी की तुलना में अब तेल में आग लगने के आसार हैं, जिसकी हकीकत पेट्रोलियम मंत्रालय छिपा रहा है अथवा हरे-भरे आंकड़े पेश किए जा रहे हैं। बार-बार आश्वस्त किया जा रहा है कि पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे, जबकि अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, चीन, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस सरीखे बड़े देशों में पेट्रोल-डीजल महंगे करने पड़े हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका जैसे कर्जदार और विपन्न देशों से तुलना क्या करनी? भारत में पेट्रोल की 13 फीसदी और डीजल की 8 फीसदी से अधिक खपत बढ़ी है। ये अधिकृत संगठनों के अध्ययन के निष्कर्ष हैं। गौरतलब तथ्य यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 17 मार्च को 103 डॉलर प्रति बैरल थी, लेकिन भारत ने 108.23 डॉलर के दाम पर तेल खरीदा है। बीती 16 मार्च को इंडियन बास्केट कच्चे तेल की कीमत ने आसमान छू लिया, जो 142.69 डॉलर प्रति बैरल के अनपेक्षित उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। फरवरी में कच्चे तेल की कीमत हमें 69 डॉलर पड़ी थी। वह मार्च में औसतन 108.23 डॉलर हो गई। एलपीजी के साथ-साथ तेल की कीमतों का यह उछाल भारतीय अर्थव्यवस्था को डांवाडोल कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हमें कच्चा तेल 142 डॉलर की कीमत पर खरीदते रहना पड़ा, तो उससे महंगाई दर 8-10 फीसदी तक उछल सकती है। अभी तो यह 4 फीसदी के करीब बताई जा रही है। भारत की आर्थिक विकास दर लुढ़क कर 4-5 फीसदी पर आ सकती है। अलग-अलग तिमाही में विकास दर 8 फीसदी से अधिक भी रही है। भारत सरकार के आर्थिक सलाहकारों और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के दावे हैं कि 31 मार्च को समाप्त होने वाले 2025-26 वित्त वर्ष के दौरान विकास दर 7 फीसदी से अधिक रहेगी और आने वाले वित्त वर्ष में भी यह करीब 7 फीसदी रह सकती है, जो विश्व में सर्वाधिक है। अब ईरान युद्ध के प्रभावों के मद्देनजर क्या आर्थिकी होगी, हम उसका विश्लेषण कर रहे हैं।

कुछ ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में अभी से तोरी, भिंडी 150 रुपए किलो और नींबू 200 रुपए किलो बिकने शुरू हो गए हैं। प्याज, टमाटर कब महंगे होने लगेंगे, यह इस पर आश्रित है कि महंगाई दर कितनी बढ़ती है और हर वस्तु का परिवहन का खर्च कितना महंगा होता है? एलपीजी संकट के मद्देनजर औसतन रेस्तरां ने खान-पान के दाम 57 फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। स्ट्रीट फूड भी 25 फीसदी महंगा हो गया है, लिहाजा आम आदमी पिसने लगा है। सूखे मेवे के दाम 25-45 फीसदी, खाद्य तेल के दाम 20 रुपए प्रति लीटर, दवाइयों के दाम 30 फीसदी तक बढ़ गए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स का सामान भी महंगा हुआ है। विमानन कंपनियों ने भी 'फ्यूल सरचार्ज' थोप दिए हैं। इस तरह खुदरा और थोक महंगाई दरें बढनी तय लग रही हैं। एक अनुमान है कि सरकार को 27.6 लाख करोड़ रुपए का घाटा हो सकता है, जाहिर है कि चालू खाता घाटा भी जीडीपी के 2.5 फीसदी तक पहुंच सकता है। बजट में सरकार का लक्ष्य सामने आया था कि चालू खाता घाटा 1 फीसदी के करीब रखा जाएगा। बहरहाल ईरान युद्ध के मद्देनजर ही वित्त मंत्री सीतारमण ने 1 लाख करोड़ रुपए का 'आर्थिक स्थिरीकरण कोष' बनाने की घोषणा की थी। इसके लिए आवश्यक धन मौजूदा विनियोग और अतिरिक्त आवंटन से आएगा। हालांकि सरकार से उम्मीद है कि वह चालू वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.4 फीसदी राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल करेगी।

प्रकृति की नन्ही दूत है चिड़िया

रमेश सर्राफ धमोरा

(20 मार्च विश्व गौरैया दिवस पर विशेष)

विश्व गौरैया दिवस नन्ही घरेलू गौरैया और अन्य पक्षियों को समर्पित है। गौरैया की संख्या में हो रही तीव्र गिरावट के बारे में जागरूकता पैदा करने और लोगों को इन परिचित पक्षियों की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु यह दिवस प्रतिवर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य गौरैया के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनके लिए हमारे आस पास का माहौल बेहतर करना है। विश्व गौरैया दिवस 2026 एक बार फिर दुनिया को याद दिलाएगा कि आम पक्षियों को भी देखभाल और ध्यान की आवश्यकता है। कभी उपेक्षित समझी जाने वाली गौरैया अब कई कस्बों और शहरों से गायब हो रही हैं, जो इस दिन को रोजमर्रा की जैव विविधता और स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य के प्रति चिंता का प्रतीक बनाती है।

गौरैया मानव इतिहास के सबसे परिचित पक्षियों में से एक हैं। वे घरों, खेतों, बाजारों और शहरी सड़कों के पास पाई जाती हैं। उनकी उपस्थिति यह दर्शाती है कि किसी क्षेत्र में अभी भी पर्याप्त भोजन, सुरक्षित घोंसले बनाने की जगह और बुनियादी पारिस्थितिक संतुलन मौजूद है। गौरैया की मधुर चहचहाहट कई देशों में सुबह और शाम के जीवन का अभिन्न अंग रही है। गौरैया छोटे, फुर्तीले पक्षी होते हैं जो 4 से 7 इंच तक लम्बे होते हैं। उनके गोल, मोटा शरीर और छोटी मजबूत चोंच होती हैं जो खुले बीजों को तोड़ने के लिए उपयुक्त होती हैं। उनके पंखों पर धारियां या गहरे रंग के धब्बे होते हैं। यह हल्की भूरे रंग या सफेद रंग में होती है। इसके शरीर पर छोटे-छोटे पंख और पीली चोंच व पैरों का रंग पीला होता है।

जब बच्चा कुछ समझने लगता है तो सर्वप्रथम उसको घर के आंगन में सबसे अधिक जो पक्षी देखने को मिलता है वह नन्ही चिड़िया यानी गौरैया होती है। यह चिड़िया बचपन से ही हमारी साथी बन जाती है जो बच्चों के इर्द-गिर्द ही घूमती रहती है और अपनी मीठी आवाज से उन्हें आकर्षित करती रहती है। गौरैया बच्चों के हाथ से कई बार खाने की वस्तु भी झपटकर ले जाती है। छोटे बच्चे उन्हें पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ते हैं और वह फुर्र से उड़कर ऊपर बैठ जाती है। गांव देहातों में यह आज भी देखने को मिल जाता है। मगर शहरों में अब ऐसा नजारा शायद ही कहीं देखने को मिलता होगा।

गौरैया मनुष्य के आसपास रहना पसंद करती है। यह लगभग हर तरह की जलवायु पसंद करती है पर पहाड़ी स्थानों में कम दिखाई देती है। शहरों, कस्बों, गांवों, और खेतों के आसपास यह बहुतयात से पाई जाती है। नर गौरैया के सिर का ऊपरी भाग नीचे का भाग और गालों पर पर भूरे रंग का होता है। गला चोंच और आंखों पर काला रंग होता है और पैर भूरे होते है। मादा के सिर और गले पर भूरा रंग नहीं होता है। नर गौरैया को चिड़ा और मादा चिड़ी या चिड़िया भी कहते हैं। गौरैया पक्षियों के पैसर वंश की एक जीव वैज्ञानिक जाति है जो विश्व के अधिकांश भागों में पाई जाती है। आरम्भ में यह एशिया, यूरोप और भूमध्य सागर के तटवर्ती क्षेत्रों में पाई जाती थी। लेकिन मानवों ने इसे विश्वभर में फैला दिया है। यह मनुष्यों के समीप कई स्थानों में रहती हैं। पिछले कुछ सालों में शहरों में गौरैया की कम होती संख्या पर चिन्ता प्रकट की जा रही है। आधुनिक स्थापत्य की बहुमंजिली इमारतों में गौरैया को रहने के लिए जगह नहीं मिल पाती। कभी बड़ी संख्या में हमारे साथ रहने वाली गौरैया अब धीरे-धीरे बहुत कम होती जा रही है। मगर जीवन की भाग दौड़ में किसी का ध्यान इनकी घाटी संख्या की तरफ नहीं जा रहा है। बच्चों की सबसे नजदीकी मित्र गौरैया जिस तेजी से कम होती जा रही है उससे लगता है आने वाले समय में यह कहीं विलुप्त ना हो जाए। इसलिए हम सबको मिलकर गंभीरता से ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे गौरैया को संरक्षण मिल सके और उनकी संख्या में फिर से बढ़ोतरी प्रारंभ हो सके।

गौरैया चिड़िया को घरेलू चिड़िया भी कहा जाता है। क्योंकि यह घरों के अंदर भी घोसले बनकर रह लेती है। ये मानव और प्रकृति के लिए बहुत उपयोगी है। क्योंकि यह कीड़ों को खाती है जिससे कीड़े पौधों को नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं। गौरैया एक ऐसी चिड़िया है जो पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा धर्मशास्त्र के मुताबिक गौरैया का आपकी छत पर आना आपके लिए शुभ होता है। जानकारो का कहना हैं कि यह चिड़िया शांति और सदभावना का संदेश लेकर आती है।

आंकड़े बताते हैं कि विश्व भर में घर-आंगन में चहकने-फुदकनेवाली छोटी सी प्यारी चिड़िया गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। ब्रिटेन की 'रॉयल सोसाइटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स' ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को 'रेड लिस्ट' में डाला था। वहीं आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह कमी ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में हुई है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। जबकि स्टेट ऑफ इंडियाज बर्ड्स (एसओआईबी) रिपोर्ट 2023 के मुताबिक पिछले 25 सालों में गौरैया की आबादी कुल मिलाकर काफी स्थिर रही है। हालांकि भारत में हाउस स्पैरो की संख्या कम होने की आम धारणा है। गौरैया के संरक्षण के प्रति जागरूकता को लेकर दिल्ली सरकार ने 2012 और बिहार सरकार ने 2013 से गौरैया को राजकीय पक्षी घोषित कर रखा है।

कभी हमारे घर-आंगन में गिरे अनाज को खाने गौरैया फुर्र से आती थी और दाना चुगकर उड़ जाती थी। हालांकि गांवों में आज भी कई घरों में गौरैया आ रही है। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे कई कारण हैं जिन पर लगातार शोध हो रहे हैं। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे के कारणों में आहार की कमी, बढ़ता आवासीय संकट, कीटनाशक का व्यापक प्रयोग, जीवन-शैली में बदलाव, प्रदूषण और मोबाइल फोन टावर से निकलने वाले रेडिएशन को दोषी बताया जाता रहा है। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे बेतहाशा कीटनाशक का प्रयोग को माना जा रहा है। गौरैया के प्रजनन के लिए अनुकूल आवास में कमी को भी इसकी संख्या में कमी का एक कारण माना जा रहा है। कच्चे घरों का तेजी से कंक्रीट के जंगलों में तब्दील होने से शहरों में इनके प्रजनन के लिए अनुकूल आवास नहीं मिलते हैं। यही वजह है कि एक ही शहर के कुछ इलाकों में ये दिखती है तो कुछ में नहीं। गौरैया संरक्षण में जुड़े लोग कृत्रिम घर बनाकर गौरैया को प्रजनन के लिए आवास देने की पहल चला रहे हैं। इसमें गौरैया अंडे देने के लिए आ भी रही हैं।

जहां तक गौरैया का सवाल है यह इन्सानों की दोस्त तथा किसानों की मददगार है। गौरैया इन्सान के साथ रहते हुए उन्हें सुख-शांति प्रदान करती हैं। बच्चों का बचपन इसके साथ खेलते हुए गुजरता है। लेकिन हम इन्सानो ने ही इसे अपने से दूर कर दिया है। भारत में पक्षियों की कुल मिलाकर 1250 प्रजातियां हैं। जिनमें से 85 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। जिसमें गौरैया का भी नाम शामिल है। गौरैया का सुरक्षित रखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह खेतों की फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को खा लेती है। जिससे किसान की फसल खराब होने से बच जाती हैं। गौरैया अपना घौंसला इंसानों के करीब बनाती है। इससे उनके घौंसले उजाड़ दिए जाते हैं। बढ़ता वायु प्रदूषण भी इन पक्षियों के लिए मुसीबत है। इसलिए जरूरी है कि हम अभी से यह समझने की कोशिश करें कि छोटी सी गौरैया हमारे जीवन के लिए कितनी अहम है। ऐसे में उसकी रक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

आज का इतिहास

1739 - नादिरशाह ने दिल्ली सल्तनत पर कब्ज़ा किया। मयूर सिंहासन के गहने चोरी किये और उन्होंने दो महीने तक दिल्ली में लूटमार की थी।

1990 - अर्धरात्रि में नामीबिया की स्वतंत्रता की घोषणा।

1991 - बेगम ख़ालिदा जिया बांग्लादेश की राष्ट्रपति निर्वाचित।

1999 - प्रख्यात ब्रिटिश अमूर्त चित्रकार पैट्रिक हेरोन का निधन।

2002 - नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा 6 दिवसीय यात्रा पर भारत पहुँचे, जिम्बाब्वे राष्ट्रमंडल से निलम्बित।

2003 - इराक पर अमेरिकी हमला शुरू।

2006 - अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्री ने दावा किया कि ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में है।

2009 - न्यायमूर्ति चन्द्रमौली कुमार प्रसाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मूख्य न्यायधीश नियुक्त हुए।

20 मार्च को जन्मे व्यक्ति

1782 - कर्नल टॉड - अंग्रेज़ अधिकारी एवं इतिहासकार, जिसे राजस्थान के इतिहास का मार्ग सर्वप्रथम प्रशस्त करने का श्रेय दिया जाता है।

1966 - अलका याग्निक - ख्यातिप्राप्त भारतीय पार्श्वगायिका हैं।

1982 - निशा मिलेट - भारतीय की जानी-मानी तैराक हैं।

1973 - अर्जुन अटवाल - भारतीय पहले गोल्फ खिलाड़ी।

1987 - कंगना राणावत, भारतीय अभिनेत्री।

1615 - दारा शिकोह - मुग़ल बादशाह शाहजहाँ और मुमताज़ महल का सबसे बड़ा पुत्र था।

20 मार्च को हुए निधन

1727 - आइज़ेक न्यूटन - महान् गणितज्ञ, भौतिक वैज्ञानिक, ज्योतिर्विद एवं दार्शनिक थे।

1943 - एस. सत्यमूर्ति - भारत के क्रांतिकारी नेता

1943 - शशिभूषण रथ - 'उड़िया पत्रकारिता के जनक' और स्वतंत्रता सैनानी थे।

1970 - जयपाल सिंह - भारतीय हॉकी के प्रसिद्ध खिलाड़ियों में से एक।

1972 - प्रेमनाथ डोगरा - जम्मू-कश्मीर के एक नेता थे।

2008 - सोभन बाबू, भारतीय अभिनेता।

2014 - खुशवंत सिंह - भारत के प्रसिद्ध पत्रकार, लेखक, उपन्यासकार और इतिहासकार।

2015 - मैल्कम फ्रेजर - ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री।

रमजान की रात में गूंजती मौत की चीखें काबुल का अस्पताल बना कब्रिस्तान और इंसानियत हुई शर्मसार

काबुल की उस रात को शायद ही कोई भूल पाएगा जब आसमान से बरसती आग ने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया। रमजान का पवित्र महीना चल रहा था जब लोग इबादत और सब्र के साथ अपने दिन गुजार रहे थे। उसी समय अचानक लड़ाकू विमानों की गूंज ने पूरे शहर को दहशत में डाल दिया। कुछ ही पलों में जोरदार धमाकों ने एक बड़े नशा मुक्ति अस्पताल को मलबे में बदल दिया। जहां जिंदगी को बचाने की कोशिशें होती थीं वहीं अब मौत का सन्नाटा पसरा हुआ था। यह घटना केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि मानवता के खिलाफ एक गहरी चोट बनकर सामने आई है।

कांतिलाल मांडोत

बताया जा रहा है कि इस हमले में सैकड़ों बेगुनाह लोगों की जान चली गई और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। अस्पताल में उस समय हजारों मरीज मौजूद थे जो अपने जीवन को सुधारने की उम्मीद लेकर वहां आए थे। लेकिन किसे पता था कि वही जगह उनकी आखिरी मंजिल बन जाएगी। घायल लोगों की चीखें मलबे में दबे लोगों की मदद की पुकार और चारों तरफ फैली तबाही ने इस घटना को और भी भयावह बना दिया। यह दृश्य किसी युद्ध क्षेत्र से कम नहीं था।

तालिबान सरकार ने इस हमले को नरसंहार करार दिया है और कहा है कि यह सीधा हमला अफगानिस्तान की संप्रभुता पर है। उनके अनुसार यह हमला किसी भी मानवीय सिद्धांत के खिलाफ है और इसका जवाब दिया जाएगा। तालिबान के प्रवक्ता ने साफ शब्दों में कहा कि अब बातचीत और कूटनीति का समय खत्म हो चुका है। यह बयान इस बात की ओर इशारा करता है कि आने वाले समय में क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है। जब संवाद के रास्ते बंद हो जाते हैं तब संघर्ष और भी गहरा हो जाता है।

दूसरी ओर पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनका निशाना केवल आतंकवादी ठिकाने थे। उनका दावा है कि उन्होंने उन स्थानों पर हमला किया जहां से उनके खिलाफ गतिविधियां संचालित हो रही थीं। लेकिन सवाल यह उठता है कि यदि ऐसा था तो फिर एक अस्पताल कैसे निशाने पर आ गया। क्या यह खुफिया जानकारी की विफलता थी या फिर एक गंभीर लापरवाही। इन सवालों का जवाब अभी तक साफ नहीं है।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा पीड़ा उन परिवारों को झेलनी पड़ रही है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। कई लोग अपने घर के कमाने वाले सदस्य को खो चुके हैं तो कई बच्चों के सिर से माता पिता का साया उठ गया है। मलबे में बिखरी दवाइयां टूटे हुए बिस्तर और जले हुए कपड़े इस बात के गवाह हैं कि यहां कभी जिंदगी बचाने की कोशिशें होती थीं। अब वही जगह मौत की कहानी सुना रही है।

भारत ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की है और इसे कायरतापूर्ण बताया है। भारत का कहना है कि निहत्थे नागरिकों पर हमला किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी इस मामले में कार्रवाई की मांग की गई है। संयुक्त राष्ट्र ने भी इस घटना पर चिंता जताते हुए जांच की बात कही है। यह स्पष्ट है कि यह घटना केवल दो देशों के बीच का मामला नहीं रही बल्कि अब वैश्विक चिंता का विषय बन चुकी है।

इतिहास गवाह है कि युद्धों में भी कुछ नियम और मर्यादाएं होती थीं। अस्पतालों को हमेशा सुरक्षित स्थान माना जाता था। वहां घायल सैनिकों और आम नागरिकों का इलाज किया जाता था और उन्हें किसी भी हमले से बचाया जाता था। लेकिन आज के समय में यह मर्यादाएं टूटती नजर आ रही हैं। जब अस्पताल जैसे स्थान भी सुरक्षित नहीं रह जाते तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर युद्ध और आतंक के बीच की रेखा कहां रह गई है।

इस घटना ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या हम तकनीकी और सैन्य ताकत के घमंड में मानवता को भूलते जा रहे हैं। जब निर्दोष लोगों की जान जाती है तब कोई भी जीत असली जीत नहीं होती। यह केवल हार होती है इंसानियत की और नैतिक मूल्यों की। दुनिया को यह समझना होगा कि हिंसा का जवाब हिंसा नहीं हो सकता।

तालिबान द्वारा बदले की बात कहना भी चिंता का विषय है। यदि बदले की भावना हावी होती है तो यह संघर्ष और भी भयानक रूप ले सकता है। इसका असर केवल अफगानिस्तान और पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता पर पड़ेगा। इसलिए जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय आगे आए और इस मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान खोजने में मदद करे।

इस हमले ने उन सभी लोगों के दिलों को झकझोर दिया है जो मानवता में विश्वास रखते हैं। एक अस्पताल का कब्रिस्तान में बदल जाना केवल एक घटना नहीं बल्कि एक चेतावनी है। यह चेतावनी है कि यदि हम समय रहते नहीं संभले तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

अंत में यही कहा जा सकता है कि युद्ध कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता। यह केवल विनाश और पीड़ा लाता है। काबुल की यह त्रासदी हमें यह याद दिलाती है कि शांति ही एकमात्र रास्ता है जो मानवता को बचा सकता है। जरूरत है समझदारी की संवेदनशीलता की और उन मूल्यों को फिर से जीवित करने की जो हमें इंसान बनाते हैं।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आज का राशिफल

मेष- स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

वृष- विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-1-3-5

मिथुन- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-3-5-6

कर्क- आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

सिंह- व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। शुभांक-2-4-6

कन्या- मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। शुभांक-1-3-5

तुला- लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

वृश्चिक- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभ समाचारों मिलेगें। शुभांक-3-5-6

धनु- प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें। शुभांक-4-6-8

मकर- कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कुंभ- राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी।शुभांक-2-4-5

मीन- व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ड्क्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

24 जिलों में फायर स्टेशन नहीं

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा एक्शन-प्लान, बिलासपुर में 4 साल में नहीं मिल पाई जमीन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। हाईकोर्ट ने राज्य में फायर स्टेशनों की कमी को लेकर चिंता जताई है डिवीजन बेंच ने कहा कि जिन जगहों पर अब तक फायर स्टेशन नहीं है, वहां जल्द व्यवस्था की जाए इस मामले में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को फायर स्टेशन पर एक्शन प्लान बनाकर पेश करने कहा है दरअसल बिलासपुर में फायर स्टेशन निर्माण के लिए साल 2020 में मंजूरी मिल गई थी लेकिन ढाई साल में जिला प्रशासन के अफसर जगह की तलाश नहीं कर पाए मोपका स्थित विद्युत वितरण कंपनी के सब स्टेशन और दुकानों में आग लगने के बाद फायर स्टेशन निर्माण का मामला फिर से उठा इस मामले में राज्य सरकार ने शपथपत्र में बताया कि वर्तमान में 9 जिलों में पूर्ण रूप से फायर स्टेशन संचालित है इसमें दुर्ग, नवा रायपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर, जांजगीर-चांपा, कोरबा, रायगढ़, राजनांदगांव, कबीरधाम शामिल हैं बिलासपुर और उरला-सिलतरा में निर्माण की प्रक्रिया चल रही है, जबकि 7 जिलों में टेंडर प्रक्रिया चल रही है इनमें जशपुर, महासमुंद, कोरिया, दंतेवाड़ा, कांकेर, बलौदाबाजार, धमतरी शामिल हैं इसके बाद भी कई जिलों में अभी भी फायर स्टेशन स्थापित ही नहीं हुए हैं जहां फिलहाल होमगार्ड परिसर से अस्थायी संचालन हो रहा है।

पुलिस का हाथ पकड़कर नशे बोली युवती- थाने ले चलो, चेकिंग के दौरान हाईवोल्टेज ड्रामा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में बीच सड़क एक युवती ने शराब के नशे में जमकर हंगामा किया 17 मार्च की रात राजीव गांधी चौक पर वाहन चेकिंग हो रही थी तभी स्कूटी से आ रही युवती पुलिस को देख भागने लगी और गाड़ी सहित गिर गई पुलिस के रोकने पर वह विवाद करने लगी इस दौरान उसने पुलिस का हाथ पकड़ते हुए थाने ले चलने की बात कही युवती ने ये भी कहा कि ज्यादा से ज्यादा फांसी होगा न और क्या होगा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। दरअसल, मंगलवार (17 मार्च) रात सिविल लाइन थाना पुलिस की टीम राजीव गांधी चौक पर वाहन चेकिंग कर रही थी इस दौरान चालकों की ब्रेथ एनालाइजर से जांच हो रही थी। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई भी की जा रही थी रात करीब 10:30 बजे महाराणा प्रताप चौक की ओर से आ रही स्कूटी सवार युवती पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगी लेकिन अचानक स्कूटी सहित गिर गई इसके बाद युवती पुलिस जवानों पर ही भड़क गई वह सड़क पर भीड़ को लेकर हंगामा करने लगी घटना के दौरान जब लोग वीडियो बनाने लगे तो युवती ने गुस्से में गाली-गलौज किया उसने कहा कि इतना क्या वीडियो बना रहे हो बना ले वीडियो रील्स बनाकर वायरल कर देना कोलेप्स कर देना और क्या होगा।

गौचोनी में किसान की 5 बीघा गेहूं की फसल जली लाखों का हुआ नुकसान

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के पिछोर थाना क्षेत्र के ग्राम गौचोनी में बुधवार शाम एक किसान की खड़ी गेहूं की फसल में आग लग गई अज्ञात कारणों से लगी इस आग में किसान वीरसिंह लोधी पुत्र भगवानदास लोधी की करीब 5 बीघा गेहूं की फसल पूरी तरह जलकर खाक हो गई जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ है घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई ग्रामीणों ने तुरंत एकजुट होकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची लेकिन तब तक फसल पूरी तरह जल चुकी थी इस घटना से किसान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है पीड़ित किसान को प्रशासन से मुआवजे की मांग की जा रही है।

छोटेसाल्ही में पेयजल व्यवस्था को नई मजबूती, जल जीवन मिशन के तहत मरम्मत कार्य तेज़ी से जारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक प्रयासों में लगातार तेजी लाई जा रही है। विकासखंड खड़गवा के ग्राम पंचायत छोटेसाल्ही में पंचायत भवन के पास स्थित पेयजल परिसंपत्ति के हस्तांतरण से पूर्व आवश्यक मरम्मत कार्य जल जीवन मिशन के तहत चल रहा है, जिससे यहां की जल आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

जल जीवन मिशन के तहत मरम्मत कार्य: जल जीवन मिशन के तहत यह कार्य किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में जल आपूर्ति प्रणाली को मजबूती प्रदान करना है। ग्राम छोटेसाल्ही में पेयजल परिसंपत्ति की मरम्मत कार्य की निगरानी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार द्वारा की जा रही है इस कार्य का संचालन सहायक अभियंता ए.एस. सिदार और उप अभियंता मनमोहन सिंह के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान: इस मरम्मत कार्य को समय पर और गुणवत्तापूर्वक पूरा करने के लिए जिला परियोजना समन्वयक टीम के रितेश डिक्सेना का सहयोग प्राप्त है। उनकी सहायता से कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता पर निरंतर ध्यान दिया जा रहा है ताकि किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और जल आपूर्ति प्रणाली को जल्द से जल्द चालू किया जा सके।

जल आपूर्ति व्यवस्था का हस्तांतरण: मरम्मत कार्य के पूर्ण होने के बाद, इस पेयजल व्यवस्था का हस्तांतरण किया जाएगा, जिससे ग्राम छोटेसाल्ही के प्रत्येक घर तक नियमित रूप से शुद्ध और सुरक्षित पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। यह पहल ग्रामीणों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अहम साबित होगी प्रशासन का स्पष्ट उद्देश्य है कि हर घर तक नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाया जाए ताकि ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिल सके और उनकी जीवनशैली में सुधार हो सके।

स्वच्छ जल का स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर :जल जीवन मिशन के तहत इस परियोजना के लागू होने से गांव में जल की गुणवत्ता में सुधार होगा और पानी से संबंधित बीमारियों के फैलने की संभावना कम होगी। खासकर महिलाओं और बच्चों को पानी के लिए दूर-दूर तक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे उनकी रोजमर्रा की जीवनशैली में भी सुधार आएगा।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, एक की हालत गंभीर घायल; आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के इंदार थाना क्षेत्र में देहरदा-ईसागढ़ मार्ग पर अलावदी गांव के पास गुरुवार को भूमि ढाबा के समीप एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी इस हादसे में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए घायलों को तत्काल बदरवास स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया बदरवास स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने नारायण सिंह कुशवाह (60) पिता बिहारी कुशवाह निवासी खतौरा को मृत घोषित कर दिया वहीं कमलेश कुशवाह की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है जानकारी के अनुसार, नारायण सिंह कुशवाह अपने साथी कमलेश कुशवाह के साथ एजवारा गांव से काम निपटाकर बाइक से वापस लौट रहे थे इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया राहगीरों की सूचना पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची थी इंदार पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस ने वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ में छुट्टियों में भी खुले रहेंगे पंजीयन कार्यालय, राजस्व बढ़ाने का बड़ा फैसला

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के समापन से पहले पंजीयन विभाग में राजस्व संग्रह को गति देने के लिए एक अहम कदम उठाया पंजीयन विभाग के महानिरीक्षक और अधीक्षक मुद्रांक, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार, मार्च माह के अंत तक कुछ शासकीय अवकाश के दिनों में भी पंजीयन कार्यालय खुले रहेंगे और नियमित रूप से पंजीयन कार्य संपादित किए जाएंगे।

वित्तीय वर्ष के समापन पर लिया गया यह निर्णय: वित्तीय वर्ष 2025-26 के समापन को ध्यान में रखते हुए पंजीयन कार्यों को तेज गति से संपादित करने और राजस्व संग्रह में वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है इस आदेश के अनुसार, मार्च के अंत तक के कुछ महत्वपूर्ण शासकीय अवकाश के दिनों में पंजीयन कार्यालयों का संचालन जारी रहेगा।

अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे पंजीयन कार्यालय: पंजीयन विभाग के आदेश के तहत, 22 मार्च (चतुर्थ रविवार), 28 मार्च (अंतिम शनिवार), 29 मार्च (अंतिम रविवार) और 31 मार्च (महावीर जयंती) को पंजीयन कार्यालय खुले रहेंगे इन दिनों में आम नागरिक, खरीदार और विक्रेता आसानी से अपने पंजीयन कार्य करा सकेंगे यह कदम विशेष रूप से उन लोगों के लिए राहत देने वाला साबित होगा जो छुट्टियों में पंजीयन कार्य के लिए कार्यालय नहीं पहुंच पाते थे पहले छुट्टियों के दौरान रजिस्ट्री कार्य प्रभावित हो जाता था लेकिन अब लोगों को अवकाश के दिनों में भी कार्यालय खुले रहने से कोई समस्या नहीं होगी

31 मार्च तक जारी रहेगा सरकारी लेनदेन:आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि इन अवकाश दिनों में पंजीयन कार्यालयों के साथ-साथ बैंकों में भी 31 मार्च 2026 तक शासकीय लेनदेन जारी रहेगा इसके लिए जिला पंजीयक, कोषालय अधिकारी और भारतीय स्टेट बैंक सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने के लिए कहा गया है, ताकि सरकारी कार्यों में कोई रुकावट न आए।

जनता को मिलेगी बड़ी राहत: इस निर्णय से आम नागरिकों खासकर खरीदारों और विक्रेताओं को बड़ी राहत मिलेगी पहले जब रजिस्ट्री कार्य छुट्टियों के कारण रुका करता था तब कई बार लोग समय पर पंजीयन कार्य नहीं करा पाते थे लेकिन अब यह कदम आम जनता को अपनी आवश्यक कार्यों में सुगमता प्रदान करेगा।

प्रशासन ने दिए सख्त निर्देश: संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी उप पंजीयक कार्यालयों में दस्तावेजों का पंजीयन कार्य निर्धारित नियमों के अनुसार सुचारू रूप से हो और किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

साथ ही, ई-स्टाम्प और अन्य आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश भी दिया गया है, ताकि किसी भी पंजीयन कार्य में कोई रुकावट न आए इस फैसले का उद्देश्य पंजीयन कार्यों को समय पर पूरा करना और वित्तीय वर्ष के अंतिम समय में राजस्व संग्रह को बढ़ावा देना है।

एलपीजी कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई

310 सिलेंडर, बर्नर जब्त; खाद्य नियंत्रक ने कहा- जिले में गैस स्टॉक पर्याप्त

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध भंडारण के खिलाफ खाद्य विभाग ने कार्रवाई की है शहर के दयालबंद, मधुबन रोड स्थित मुक्तिधाम के पास की गई इस छापामार कार्रवाई में 310 सिलेंडर, बड़ी संख्या में रेगुलेटर और बर्नर जब्त किए गए खाद्य विभाग की टीम ने मौके पर जांच के दौरान 14.2 किलो के 100 बड़े घरेलू गैस सिलेंडर और 5 किलो के 263 छोटे गैस सिलेंडर बरामद किए इसके अलावा, चूल्हा बर्नर, 8 बोरियों में रेगुलेटर 6 कार्टन और 25 खुले रेगुलेटर साथ ही 25 प्रेशर वाल भी जब्त किए गए यह सभी सामान अवैध तरीके से कालाबाजारी के लिए रखा गया था जिले में पर्याप्त गैस स्टॉक खाद्य नियंत्रक अमृत कुजूर ने बताया कि जिले में एलपीजी गैस की पर्याप्त मात्रा मौजूद है और सभी 35 गैस एजेंसियों में सिलेंडर उपलब्ध हैं उन्होंने लोगों से कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है और वे नियमानुसार बुकिंग कराकर ही तय कीमत पर सिलेंडर लें यह कार्रवाई खाद्य विभाग द्वारा एलपीजी वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारु बनाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है इस अभियान के तहत अब तक 8 प्रकरणों में 310 से अधिक सिलेंडर जब्त किए जा चुके हैं कुजूर ने यह भी स्पष्ट किया कि कालाबाजारी या अवैध भंडारण करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी विभाग की टीमें लगातार निगरानी और जांच कर रही हैं और शिकायत मिलने पर तत्काल छापामार कार्रवाई की जाएगी।

हार्ड चट्टान बनी बाधा, 220 बिस्तरीय अस्पताल निर्माण में ब्लास्टिंग के लिए नई तिथि की मांग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के मनेंद्रगढ़ में प्रस्तावित 220 बिस्तरीय नवीन चिकित्सालय के निर्माण कार्य में इन दिनों तेजी से प्रगति हो रही है लेकिन निर्माण स्थल पर मिली हार्ड चट्टान ने कार्य की रफ्तार को प्रभावित कर दिया है वर्तमान में अस्पताल भवन के फाउंडेशन का कार्य जारी है जहां मजबूत चट्टान की परत सामने आने से निर्माण एजेंसी के सामने तकनीकी चुनौती खड़ी हो गई है विशेषज्ञों का मानना है कि इस कठोर चट्टान को हटाए बिना फाउंडेशन का कार्य सुरक्षित और निर्धारित मानकों के अनुरूप आगे बढ़ाना संभव नहीं है ऐसे में नियंत्रित ब्लास्टिंग ही एकमात्र प्रभावी विकल्प माना जा रहा है जिससे निर्माण कार्य को सुचारू रूप से आगे बढ़ाया जा सके पहले तय तिथि पर नहीं हो सका कार्य।

फर्जी दस्तावेज बनाकर शासकीय जमीन में हेराफेरी तहसीलदार की शिकायत पर 7 अधिकारियों-कर्मचारियों पर एफआईआर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। करैरा तहसील क्षेत्र में गुरुवार को एक शासकीय भूमि घोटाले का खुलासा हुआ है। ग्राम जरगंवा अव्वल की जमीन से जुड़े इस मामले में फर्जी दस्तावेज तैयार कर सरकारी रिकॉर्ड में हेरफेर के आरोप में सात अधिकारियों और कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज की गई है कार्रवाई तहसीलदार की शिकायत पर दिनारा थाना पुलिस ने की है करैरा तहसीलदार कल्पना शर्मा ने दिनारा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई शिकायत के अनुसार, ग्राम जरगंवा अव्वल स्थित शासकीय भूमि में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं यह मामला कलेक्टर शिवपुरी के निर्देश पर की गई जांच के बाद सामने आया डिप्टी कलेक्टर शिवदयाल धाकड़ द्वारा की गई जांच में खुलासा हुआ कि शासकीय भूमि से संबंधित रिकॉर्ड में सुनियोजित तरीके से छेड़छाड़ की गई थी आरोप- अधिकारी-कर्मचारियों ने फर्जी कागज बनाए आरोप है कि संबंधित अधिदायरा पंजी में हेरफेर किया और खसरा के महत्वपूर्ण पन्ने फाड़कर गायब कर दिए। जांच में यह भी सामने आया कि सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना ही नामांतरण किए गए जिन्हें बाद में निरस्त कर दिया गया इसके अतिरिक्त, शासकीय भूमि के बटे नंबरों को

भी अवैध रूप से हटाया और जोड़ा गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने तत्कालीन कार्यालय कानूनगो जीवनलाल तिवारी (सेवानिवृत्त), रिकॉर्ड शाखा प्रभारी प्रताप पुरी, पटवारी बृजेश यादव और दिवंगत पटवारी मुकेश चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बिहान योजना से बदली किस्मत, गृहिणी फुल कुवर बनीं आत्मनिर्भर उद्यमी, सालाना कर रही लाखों की कमाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जिले के खडगवां ब्लॉक के ग्राम बेलबहरा की निवासी फुल कुवर की कहानी आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है एक समय था जब फुल कुवर एक सामान्य गृहिणी थीं और उनके पति राम विशाल खेती-किसानी के जरिए परिवार का भरण-पोषण करते थे हालांकि, परिवार की मासिक आय 40-50 हजार रुपए के बीच थी लेकिन बढ़ती जरूरतों के कारण यह आय पर्याप्त नहीं थी और परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था फुल कुवर के जीवन में बदलाव उस दिन आया जब उन्होंने 'जय माँ दुर्गा स्व सहायता समूह' की बैठक में भाग लिया। इस बैठक में सीआरपी पूनम साहू ने बिहान योजना के बारे में जानकारी दी इस योजना ने फुल कुवर को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया उन्होंने समूह से जुड़कर बैंक लिंकेज के माध्यम से ऋण प्राप्त किया और उस राशि से सेंट्रिंग प्लेट खरीदी। इसके बाद, फुल कुवर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे पक्के मकानों में सेंट्रिंग प्लेट किराए पर देना शुरू किया उनका यह कदम उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। धीरे-धीरे उनकी आय में जबरदस्त वृद्धि हुई और आज वे सालाना 1 लाख से 1.5 लाख रुपए तक की कमाई कर रही हैं फुल कुवर की सफलता का श्रेय उनकी मेहनत, स्व-सहायता समूह की नियमित बैठकें और बिहान कार्यालय से प्राप्त मार्गदर्शन को जाता है। उन्होंने साबित कर दिया कि सही दिशा और अवसर मिलते ही कोई भी महिला अपने जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है।

गोमांस तस्कर असलम की बेल पर सेशन कोर्ट में सुनवाई

हिंदू संगठन बोले- जमानत मिली तो सड़कों पर उतरेंगे हजारों हिंदू, रासूका लगाने की मांग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। भोपाल में गोमांस तस्करी के मामले में आरोपी असलम कुरैशी उर्फ चमड़ा को लोअर कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद उसके एडवोकेट ने सेशन कोर्ट में जमानत अर्जी लगाई। जिस पर बुधवार दोपहर को सुनवाई जारी है। बता दें कि न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी जयदीप मौर्य ने बीते शुक्रवार को अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की जमानत याचिका निरस्त कर दी थी। सुनवाई के दौरान आरोपी के अधिवक्ता ने कोर्ट से कहा कि असलम कुरैशी निर्दोष है और उसे जमानत दी जानी चाहिए। वहीं शासकीय अधिवक्ता ने मामले की गंभीरता का हवाला देते हुए जमानत आवेदन खारिज करने का अनुरोध किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने जमानत अर्जी खारिज कर दी। मामले में पुलिस की एसआईटी ने जांच पूरी करने के बाद 6 मार्च को आरोपी असलम कुरैशी और उसके ड्राइवर शोएब के खिलाफ करीब 500 पेज का चालान न्यायालय में पेश किया था।

असलम कुरैशी उर्फ चमड़ा

सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन की चेतावनी : असलम के गो मांस से भरे कंटेनर को पकड़ने वाले जय मां भवानी संगठन के प्रमुख भानू हिंदू ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायालय में असलम की जमान पर बहस चल रही है। यदि उसे जमानत दी जाती है तो 100 करोड़ हिंदूओं की भावनाओं को ठेस पहुंचेगी। भोपाल के तमाम युवा हिंदू और महिलाएं सड़कों पर उतरेंगे और इसका विरोध करेंगे। लिहाजा उन्होंने अनुरोध किया है कि यदि असलम को बेल मिल भी जाती है तो उसे रासूका लगाकर जेल में रखना चाहिए।

भोपाल की नई गाइडलाइन पर मंत्री-विधायकों की आपत्ति

100 इलाकों में 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाने का प्रस्ताव; मीटिंग में उठेगा मुद्दा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। भोपाल में प्रॉपर्टी की नई गाइड लाइन को लेकर बुधवार को जिला मूल्यांकन समिति की बैठक होगी। जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में होने वाली बैठक में गाइड लाइन पर फाइनल मुहर लगेगी। इसके बाद प्रस्ताव राज्य स्तरीय कमेटी को भेजा जाएगा और फिर सीएम डॉ. मोहन यादव अंतिम निर्णय लेंगे। वर्तमान में प्रस्तावित गाइड लाइन को लेकर आम जनता से लेकर मंत्री-विधायकों तक को आपत्ति है। 100 से ज्यादा इलाकों में रेट 50 प्रतिशत या इससे ज्यादा बढ़ाने से उनकी नाराजगी है।

आज शाम को कलेक्टोरेट में होने वाली बैठक में यह मुद्दा उठेगा। बता दें कि इस साल भोपाल की 621 प्राइम लोकेशन्स पर प्रॉपर्टी की गाइडलाइन दरें बढ़ाने का प्रस्ताव आया है। इसका सीधा मतलब है कि रजिस्ट्री महंगी होगी। स्टांप ड्यूटी का खर्च भी बढ़ जाएगा। ऐसे में महंगाई के इस दौर में अपना घर खरीदने का सपना देखने वालों को अब पहले से ज्यादा रकम चुकानी पड़ सकती है।

इन इलाकों में सबसे ज्यादा बढ़ेंगे रेट : जानकारी के अनुसार निर्मल सिटी, निशातपुरा रोड, मुर्गी बाजार, समर ग्रीन में 181 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। वहीं, यशोदा नगर, भोपाल टॉकीज से सेफिया रोड, मालीपुरा, माया विहार, पाल विहार, रेत घाट से वीआईपी रोड, कबाड़खाना, गौतम नगर, पंचशील नगर, न्यू मार्केट, रोशनपुरा, सेवनिया गौंड, चौकी बरखेड़ी, एयरोसिटी परिसर, बेहटा, दामखेड़ा समेत में रेट बढ़ेंगे। इसके अलावा कोलार रोड, बंजारी, अकबरपुर, बावड़ियाकलां, मिसरोद, एयरपोर्ट, अयोध्या बायपास में भी गाइड लाइन बढ़ाने का प्रस्ताव है।

भौंरी क्षेत्र में 58 प्रतिशत कटौती का प्रस्ताव्र : एक ओर जहां सैकड़ों इलाकों में प्रॉपर्टी के रेट बढ़ाने का प्रस्ताव है। वहीं, दूसरी ओर भौंरी क्षेत्र में गाइड लाइन को 58 प्रतिशत तक कम करने का प्रस्ताव भी लाया जा रहा है। किसानों का कहना है कि जहां सरकार के बड़े प्रोजेक्ट हैं, वहां पर रेट घटाना समझ से बाहर है। भौंरी क्षेत्र की 3700 एकड़ में प्रदेश की पहली एआई एंड नॉलेज सिटी प्रस्तावित है। इसे लेकर किसानों ने भोपाल कलेक्टर के पास जाकर आपत्ति भी दर्ज कराई थी।

लगातार दूसरे साल गाइडलाइन बढ़ाने की तैयारी : भोपाल जिला मूल्यांकन समिति 12 महीने में दूसरी बार गाइडलाइन बढ़ाने की तैयारी में है। इसके पहले 1 हजार 312 लोकेशन पर औसत 11 प्रतिशत गाइडलाइन बढ़ाई थी। इनमें सुल्तानिया रोड, गांधीनगर, दानिश हिल्स, मैकेनिकल मार्केट, नयापुरा, जहांगीराबाद समेत अन्य इलाके शामिल हैं।

इतनी लोकेशन का ड्राफ्ट जारी : कुल 2175 लोकेशन का ड्राफ्ट जारी किया गया है। नगर निगम सीमा में 607 लोकेशन पर प्रॉपर्टी के रेट 5प्रतिशत से लेकर 181 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव है। पंजीयन विभाग ने 628 लोकेशन पर दरें बढ़ाने और 795 लोकेशन को मर्ज करने का प्रस्ताव दिया है, जिससे इन क्षेत्रों में भी दाम बढ़ेंगे। ड्राफ्ट के अनुसार नगर निगम क्षेत्र में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी भानपुर स्थित निर्मल सिटी में प्रस्तावित है, जहां दर 6400 रुपए प्रति वर्गमीटर से बढ़ाकर 18 हजार रुपए की गई है, यानी 181 प्रतिशत तक वृद्धि।

भोपाल में हाइपरटेंशन पर लापरवाही भारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश में हर 100 में से 7 लोगों को हाइपरटेंशन की समस्या है। इस स्थिति के बाद भी भोपाल में हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप को लेकर लोग लापरवाह हैं। स्टडी में सामने आया है कि सिर्फ 8 प्रतिशत मरीज ही बीपी की हर तय समय में जांच करते हैं। यही नहीं, 10 में से सिर्फ 3 लोग तय समय पर दवा खाते हैं, बचे हुए 7 मरीज दिन में जब भी याद आए तब दवा खा लेते हैं। वहीं, कुछ ऐसे भी हैं जो दवा खाना तक भूल जाते हैं। यह स्टडी एम्स भोपाल में हुई है। जिसमें 216 मरीजों को शामिल किया गया था। इसे स्टडी ऑन हाइपरटेंशन नाम से पब्लिश किया गया है। जिसमें यह तथ्य भी सामने आया कि भोपाल में मरीज भले ही दवा खाने और जांच कराने में लापरवाह हैं, लेकिन एक्सरसाइज और वजन नियंत्रण में आगे हैं।

स्टडी में सामने आई चौंकाने वाली तस्वीर : इस स्टडी में 35 प्रतिशत पुरुष और 65प्रतिशत महिलाएं थीं, जो करीब 5 साल से हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं। इन मरीजों में से 58प्रतिशत एक्सरसाइज नहीं करते और 50प्रतिशत वजन नियंत्रण पर ध्यान नहीं देते। हालांकि, रिपोर्ट में सबसे चिंताजनक तथ्य यह सामने आया कि हाइपरटेंशन को मरीज हल्के में ले रहे हैं। खुद से ही दवा बदल रहे मरीज अध्ययन में यह भी सामने आया कि हर 100 में से 13 मरीज खुद ही अपनी दवा बदल लेते हैं या किसी अन्य मरीज की दवा अपनाने लगते हैं। डॉक्टरों के अनुसार यह बेहद खतरनाक प्रवृत्ति है, क्योंकि हर मरीज की स्थिति अलग होती है।

जोरदार बारिश से होगा नवरात्र का स्वागत!

पांच मौसमी सिस्टम सक्रिय, मप्र के इन 19 जिलों में बारिश-आंधी का अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। देश के अधिकांश हिस्सों में मौसम के एक साथ 5 सिस्टम एक्टिव हो गए हैं। इनका सीधा असर एमपी पर पड़ रहा है। मंगलवार-बुधवार की रात से इसका असर देखने को मिल रहा है। बालाघाट जिले में एक इंच बारिश दर्ज गई है। वहीं राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के 13 जिलों में बारिश का अलर्ट दिया गया है। नवरात्र की शुरूआत में प्रदेश के मौसम में ठंडक घुली रहेगी।

आजकल देश का मौसम एकदम से बदला है। पहाड़ों पर बर्फवारी के बाद अब मैदानी इलाकों में बारिश का दौर बना है। आसपास के प्रदेशों सहित मध्य प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में बारिश का दौर शुरू हो गया है। नवरात्र की शुरूआत कई इलाकों में झमाझम बारिश से होने जा रही है। बालाघाट में बीते 24 घंटों में एक इंच बारिश हो गई। राजधानी भोपाल सहित इंदौर, ग्वालियार, जबलपुर और उज्जैन में भी मौसम बदलने वाला है। प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में एक के बाद एक

अर्थात आईसोलेटेड बारिश का दौर चलता रहेगा।

मौसम के एक साथ 5 सिस्टम एक्टिव हैं : मौसम विभाग से मिली जानकारी अनुसार वर्तमान में मौसम के एक साथ पांच सिस्टम सक्रिय हैं। इनमें मध्य प्रदेश के मध्य भागों के ऊपर समुद्र तल से 0.9 किमी ऊंचाई पर ऊपरी हवा का चक्रवातीय सिस्टम सक्रिय है। इसी प्रकार एक ट्रफ दक्षिण पूर्व राजस्थान से उत्तर छत्तीसगढ़ तक और एमपी के मध्य भागों के ऊपरचक्रवानी सिस्टम काम बना है। तीसरे सिस्टम की बात करें तो पूर्वी उत्तर प्रदेश और निकटवर्ती क्षेत्रों के ऊपर चक्रवाती सिस्टम सक्रिय है।

एक ट्रफ मध्य प्रदेश के मध्य भागों के ऊपर से सक्रिय है। यह मराठवाड़ा और विदर्भ होते हुए उत्तरी आंतरिक कर्नाटक तक बना है। पांचवे सिस्टम की बात करें तो पश्चिमी विक्षोभ जिसे वेस्टर्न डिस्टर्बेंस कहा जाता है। यह मध्य और ऊपरी हवाओं के ट्रफ के रूप में समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई पर उत्तरी इलाके में काम कर रहा है।

19 जिलों में बारिश-तेज आंधी और गाज गिरने का अलर्ट : मध्य प्रदेश मौसम विभाग द्वारा 19 जिलों में अगले 24 घंटों में बारिश का अलर्ट दिया गया है। इनमें राजगढ़, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योरपुरकलां, डिंडौरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, निवाड़ी, पांढुर्णा जिलों बारिश का अलर्ट है। बारिश के साथ ही साथ तेज आंधी, वज्रपात और तेज हवाओं व आसमानी बिजली का अलर्ट भी है।

डॉ. दिव्या इ. सुरेंद्रन, मौसम विज्ञानी, भोपाल ने बताया कि एमपी सहित आसपास के क्षेत्रों में मौसम के अलग-अलग सिस्टम एक्टिव हैं। इस कारण प्रदेश में डेढ़ दर्जन से अधिक जिलों में बारिश का अलर्ट दिया गया है। 22 तारीख का आइसोलेटेड बारिश का दौर चलेगा।

तापमान में भी गिरावट आएगी : कब कहां बारिश होगी : 18 मार्च को प्रदेश के नीमच, मंदसौर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, दतिया, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला जिलों में बारिश हो सकती है।

19 मार्च को एमपी के भिंड, मुरैना, ग्वालियर, दतिया, शिवपुरी, श्योपुर, गुना, राजगढ़, आगरमालवा, शाजापुर, सिहोर, नर्मदापुरम, नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, शाजापुर, देवास हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, इंदौर, बड़वानी, धार, अलीराजपुर, झाबुआ, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, डिंडौरी, बालाघाट जिलों में आईसोलेटेड बारिश हो सकती है।

20 मार्च को प्रदेश के श्योपुर, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दमोह, सागर, सतना, मैहर, कटनी, उमरिया, रीवा, मउगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, डिंडोरी, उमरिश, दमोह, जबलपर, मंडला, बालाघाट, सिवनी, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, नर्मदापुर, रायसेन, सिहोर, भोपाल, विदिशा, अशोकनगर, शाजापुर, राजगढ़, गुना सहित आसपास के इलाके में बारिश होगी।

जेके यूनिवर्सिटी और अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी

फेक निकली भोपाल में कोर्ट-यूनिवर्सिटी को उड़ाने की धमकी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित एक और यूनिवर्सिटी को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इससे पहले भी कई स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी हैं जो पूरी तरह झूठी निकली। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार भोपाल के जेके अस्पताल और विश्वविद्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह ईमेल प्रबंधन को प्राप्त हुआ है। जिसमें कहा गया है कि परिसर में 21 स्थानों पर बम लगाए गए हैं और इनके जरिए इमारत को उड़ा दिया जाएगा।

मौके पर पहुंची डॉग स्क्वायड की टीम : यह धमकी मिलने के बाद प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी। परिणामस्वरुप बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड मौके पर पहुंचा। तलाशी अभियान चलाया जा रहा है लेकिन अब तक कोई भी संदिग्ध वस्तु अस्पताल और विश्वविद्यालय परिसर में नहीं मिली है। इससे पहले राजधानी के पीपल्स विश्वविद्यालय, एम्स अस्पताल और नापतौल विभाग को भी बम से उड़ाए जाने की धमकी मिल चुकी है।

दो दिन तक मिली थी धमकी : वहीं, नापतौल विभाग को तो लगातार दो दिन तक इसी तरह की धमकियां मिली और इसका असर सरकारी कामकाज पर भी पड़ा क्योंकि दोनों ही बार इमारत को खाली कराया गया। पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया, मगर कुछ भी नहीं मिला कुल मिलाकर धमकी झूठी निकली। वहीं, कर्मचारी काम करने के लिए आसानी से तैयार नहीं हुए।

धमकियों पर है पुलिस की नजर : भोपाल के पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने बताया कि जो धमकियां मिल रही है उस पर पुलिस की नजर बनी हुई है। साथ ही, धमकी देने वाले की तलाश की जा रही है। मगर कुछ तकनीकी गड़बड़ियों के कारण संबंधित तक पहुंचने में वक्त लग रहा है।

भोपाल के केरवा-कलियासोत में 96 अवैध निर्माणों पर चलेगी जेसीबी

सरकार ने माना- 'नो कंस्ट्रक्शन जोन में बने स्कूल और रेस्टोरेंट'

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। शहर की खूबसूरती और पर्यावरण की जान माने जाने वाले केरवा और कलियासोत जलाशय अब अपने पुराने स्वरूप में लौटेंगे। राज्य सरकार ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के सामने स्वीकार किया है कि इन जलाशयों के आसपास के ग्रीन बेल्ट में बड़े पैमाने पर नियमों की धज्जियां उड़ाई गई हैं। भोपाल विकास योजना 2005 के प्रावधानों को ताक पर रखकर यहां जो निर्माण हुए थे, अब उन्हें हटाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। 13 फरवरी 2026 को मंत्रालय में हुई हाई-लेवल मीटिंग के बाद अब जमीन का सीमांकन शुरू हो गया है।

क्या-क्या बना है 'नो-कंस्ट्रक्शन जोन' में : सरकार द्वारा पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार, कुल 96 निर्माणों को अवैध पाया गया है। इनमें से 84 सरकारी जमीन पर हैं और 12 निजी जमीन पर, जो 'नो-कंस्ट्रक्शन जोन' के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।

एफटीएल के 33 मीटर में बड़ा खतरा : जलाशयों के फुल टैंक लेवल से 33 मीटर के दायरे को सबसे संवेदनशील माना जाता है। केरवा जलाशय के इस दायरे में 16 पक्के निर्माण पाए गए हैं। इनमें से 2 सरकारी जमीन पर हैं, जिन्हें हटाने के आदेश राजस्व कोर्ट ने दे दिए हैं। बाकी 14 निजी जमीन पर हैं, जिन पर अब राजस्व विभाग नियमों के तहत कार्रवाई करने की तैयारी में है। मंत्रालय में हुई बैठक में साफ कर दिया गया है कि भोपाल विकास योजना 2005 के क्लॉज 2.57 का कड़ाई से पालन होगा। 150 हेक्टेयर की यह जमीन केवल प्रकृति के लिए सुरक्षित रहेगी, यहां किसी भी निजी स्वार्थ के लिए कोई जगह नहीं है।

अब बनेगा बॉटनिकल गार्डन : सरकार की योजना यहां 150 हेक्टेयर क्षेत्र में एक विशाल बॉटनिकल गार्डन और रीजनल पार्क बनाने की है। इसके लिए टीएंडसीपी विभाग ने मैप तैयार कर लिया है। खसरा रिकॉर्ड को मास्टर प्लान के मैप पर सुपरइम्पोज कर दिया गया है, जिससे अब एक-एक इंच जमीन का हिसाब साफ हो गया है। कलेक्टर भोपाल को निर्देश दिए गए हैं कि वे राजस्व विभाग के जरिए इस पूरी जमीन को जल्द से जल्द बाउंड्री बनाकर सुरक्षित करें।

अब तक क्या हुआ: 13 फरवरी 2026 को मंत्रालय में निर्णायक बैठक हुई। इसके बाद 28 फरवरी 2026 को 69 में से 28 अवैध निर्माणों को प्रशासन ने जमींदोज कर दिया। जबकि बाकी अतिक्रमणकारियों के खिलाफ बेदखली वारंट जारी हो चुके हैं।

क्यों जरूरी है यह कार्रवाई : केरवा और कलियासोत न केवल भोपाल के जल स्तर को बनाए रखते हैं, बल्कि यह क्षेत्र बाघों और अन्य वन्यजीवों का कॉरिडोर भी है। पिछले कुछ वर्षों में यहां होटल, रेस्टोरेंट और फार्म हाउस की बाढ़ आ गई थी, जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ने लगा था। एनजीटी में दायर एक याचिका के बाद अब यह पूरा मामला कोर्ट की सीधी निगरानी में है।

मेट्रीमोनियल साइट पर युवती से दोस्ती के बाद रेप

पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया

भोपाल। भोपाल के मिसरोद इलाके में मेट्रीमोनियल साइट पर दोस्ती कर एक युवक ने रेप किया। आरोपी ने पीड़िता को शादी का भरोसा दिलाया था। पहली बार वारदात को एक होटल रूम में अंजाम दिया गया था। अब आरोपी शादी करने से मुकर गया है। तब पीड़िता ने थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज करा दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 36 वर्षीय युवती मिसरोद इलाके में रहती है और प्राइवेट नौकरी करती है। पिछले साल अक्टूबर के महीने में मेट्रीमोनियल साइट जीवनसाथी डाट कॉम पर हेमंत कीर नाम के युवक के संपर्क में आई थी। उनके बीच शादी की बात चलने लगी।

पांच महीने पहले संपर्क में आए थे : बातचीत के दौरान युवक ने जल्द ही शादी करने का झांसा दिया। नवंबर 2025 में वह युवती से मुलाकात करने के लिए बुधनी से भोपाल आया और यहां आकर मिसरोद इलाके में रुक गया। उसने युवती को बातचीत करने के लिए होटल में बुलाया और जल्द ही शादी की बात कहते हुए उसके साथ होटल में शारीरिक संबंध बना लिए।

मप्र के सीनियर आईपीएस अधिकारी राजा बाबू को है जान का खतरा

कार से आए हथियारबंद बदमाशों ने धमकाया, शिकायत के बाद पुलिस ने पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। अपने नवाचारों को लेकर चर्चा में रहने वाले मध्य प्रदेश पुलिस ट्रेनिंग के एडीजी राजा बाबू को अपनी जान का खतरा सता रहा है। उन्होंने पुलिस मुख्यालय को पत्र लिखकर सुरक्षा की मांग की है। एडीजी राजा बाबू ने पुलिस मुख्यालय को पत्र लिखते हुए आरोप लगाए हैं कि उन्हें पुलिस प्रशिक्षण व्यवस्था में किए गए नवाचार के चलते उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि शंका है कि ट्रेनिंग सेंटर में नवाचारों के कारण कुछ लोग नाराज है। कार से आए हथियारबंद बदमाशों ने धमकाया था। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया है।

बंगले के बाहर की गाली गलौज : यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है, जब मंगलवार सुबह अज्ञात लोगों ने एडीजी राजा बाबू के बंगले के बाहर गाली गलौज और अमर्यादित व्यवहार किया। इसके कारण बंगले की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की गई है।

डंडा लहराते नजर आए : बताया जाता है कि एडीजी के बंगले के बाहर कुछ अज्ञात लोग डंडा लहराते हुए नजर आए थे। मंगलवार सुबह की घटना के सीसीटीवी में एक अज्ञात युवक को डंडा लेकर घूमते और ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों के साथ गाली गलौच करते देखा गया। इस संबंध में एजीडी की तरफ से भोपाल पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी गई।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू : अभी तक पुलिस अज्ञात लोगों की जानकारी नहीं जुटा पाई है। हालांकि, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात युवकों की तलाश की जा रही है। भोपाल में एडीजी राजा बाबू का घर त्रिलंगा इलाके में है। यह शाहपुरा थाना क्षेत्र में आता है। घटना के बाद उन्होंने शाहपुरा थाने में शिकायत दी है। अयोध्या में कारसेवक रहे हैं राजा बाबू एडीजी राजा बाबू सिंह उनमें से एक हैं, जिन्होंने छात्र जीवन में साल 1992 में अयोध्या में कारसेवक की भूमिका निभाई थी।

मप्र की 22.77 लाख महिलाएं लखपति दीदी बनीं

देश के टॉप-5 राज्यों में चौथे नंबर पर, पिछले साल आठवें स्थान पर था मध्य प्रदेश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। महिला सशक्तिकरण की दिशा में मध्य प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में अपनी जगह पक्की कर रहा है। केंद्र सरकार द्वारा जारी ताजा आंकड़ों (31 दिसंबर 2025 तक) के अनुसार, मध्य प्रदेश में 'लखपति दीदी' योजना के तहत 22,77,814 महिलाएं लखपति बन चुकी हैं। मध्य प्रदेश देश में सबसे ज्यादा लखपति दीदी वाले राज्यों की सूची में चौथे नंबर का राज्य बन गया है। संसद में एक सवाल के जवाब में ये जानकारी सामने आई है। एक साल पहले मध्य प्रदेश लखपति दीदी के मामले में आठवें नंबर का राज्य था।

नमो ड्रोन दीदी को सरकार ने दिए 34 ड्रोन : आधुनिक खेती और तकनीक के क्षेत्र में भी मध्य प्रदेश की महिलाएं पीछे नहीं हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत मध्य प्रदेश को 34 ड्रोन उपलब्ध कराए गए हैं, जो इसे देश में तीसरे स्थान (आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के बाद) पर खड़ा करता है। एमपी के 89 स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने ड्रोन से संबंधित प्रमाणित तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त किया है, जिससे वे अब खेतों में लिक्विड फर्टिलाइजर (तरल उर्वरकों) और कीटनाशकों का छिड़काव ड्रोन के जरिए कर रहीं हैं।

राज्यसभा में दिग्विजय का विदाई भाषण, अटल जी की पंक्तियां दोहराईं

बोले- न मैं टायर्ड हूं न रिटायर्ड हूं, आगे चलकर और काम करेंगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। अगले तीन महीनों (अप्रैल से जुलाई के बीच) में राज्यसभा से रिटायर हो रहे 59 सांसदों को आज राज्यसभा में विदाई दी गई। इस दौरान एमपी से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने भी विदाई भाषण दिया।

पूर्व पीएम अटल जी की लाइनें सुनाईं : दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा में कहा मैंने अपने राजनीतिक जीवन में अपना रास्ता खुद तय किया है। मैं कांग्रेस पार्टी का आभारी हूं जिन्होंने मुझे हर सदन में आने का मौका दिया।

आज इस अवसर पर अटल जी की वो बात याद आती है कि मैं न टायर्ड हूं न रिटायर्ड हूं। आगे चलकर हम और काम करेंगे। मैं उन सदस्यों के प्रति आभार प्रकट करता हूं जिन लोगों ने मेरे लिए अच्छे शब्दों का पयोग किया।

भाषण के अंत में बोले- न काहू से दोस्ती न काहू से बैर : दिग्विजय अपने विदाई भाषण में करीब 5 मिनट बोले। अपने भाषण के अंत में उन्होंने कबीरदास जी की पंक्तियां दोहराईं। दिग्विजय ने कहा मैं अपने राजनीतिक जीवन में जैसा कबीरदास जी कह गए थे उन पंक्तियों पर चलता हूं।

कबिरा खड़ा बाजार में मांगे सबकी खैर, न काहू से दोस्ती न काहू से बैर

22 साल की उम्र में नपाध्यक्ष बन गया : दिग्विजय सिंह ने कहा कि लोगों को इस बात का आश्चर्य होगा कि छात्र जीवन में मेरा राजनीति से कोई संपर्क और संबंध नहीं था। कुछ परिस्थितियां इस प्रकार की बनीं कि मैं 22 साल की उम्र में सर्वसम्मति से नगर पालिका अध्यक्ष बन गया।

30 साल की उम्र में विधायक और 33 साल की उम्र में मंत्री बन गया, सांसद बन गया और 46 साल की उम्र में मुख्यमंत्री बन गया, लेकिन मैं हमेशा अपनी विचारधारा के मार्ग पर चला। कभी विचारधारा के साथ समझौता नहीं किया।

किसी से कटुता नहीं पाली : दिग्विजय ने कहा- मैंने अपने राजनीतिक जीवन में कभी किसी से कटुता नहीं पाली। मतभेद होते थे विचारधारा में मतभेद होंगे, लेकिन मनभेद होने का मैंने कभी मौका नहीं दिया। हो सकता है कि मेरे भाषण में कई बार कटुता आई हो किसी को बुरा लगा हो उसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूं।

जिनकी विचारधारा से सहमत नहीं, उनसे भी अच्छे संबंध : दिग्विजय ने कहा- मैं इतना कह सकता हूं कि चाहे मप्र की विधानसभा में हो लोकसभा में हो चाहे यहां राज्यसभा में हो। मेरे संबंध उन लोगों के साथ भी बहुत अच्छे रहे हैं जिनकी विचारधारा से मैं कभी सहमत न था न हूं और न रहूंगा।

जहां तक कॉमरेड्स का सवाल है। उनके कार्यसंचालन में कोई बात हो सकती है, लेकिन इनकी गरीबों के पक्ष में जो विचारधारा रहती है मैंने उसका हमेशा समर्थन किया है।

अटल जी, राजीव गांधी के साथ लोकसभा में रहा : मेरा सौभाग्य है कि मैं उस लोकसभा में भी रहा जिसमें अटल जी, राजीव जी, चंद्रशेखर जी भी थे। इंदिरा जी ने मुझे कांग्रेस में प्रवेश दिया। इन लोगों से प्रभावित होकर मैंने अपना राजनीतिक सफर पूरा किया है।

सदन में जो डिस्टर्बेंस होते हैं मैं कभी भी उसके पक्ष में नहीं रहा। लोकतंत्र की बुनियाद है चर्चा और सदन में ये सत्तापक्ष की जवाबदारी होती है कि वो विपक्ष के साथ चर्चा होने के बाद और कोई रास्ता निकालें। इस सदन में हमारे अंसारी साहब भी चेयरमैन रहे हैं। उन्होंने कोई भी बिल दिन में पास होने का मौका नहीं दिया। रास्ता निकलता है यही लोकतंत्र की बुनियाद है जिसमें आज कमी देखने को मिलती है।

आज इस देश में जिस प्रकार से साम्प्रदायिक कटुता, मनमुटाव बढ़ता जा रहा है ये देश के लिए उचित नहीं हैं। न हमारे संस्कार और संस्कृति न लोकतंत्र और भारतीय संविधान के लिए उचित है।

कुलदीप यादव-वंशिका के रिसेप्शन में पत्नी सोफिया संग पहुंचे धवन

गौतम गंभीर और रविंद्र जडेजा ने लगाए चार चांद

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार फिरकी गेंदबाज कुलदीप यादव ने शादी के बाद मंगलवार लखनऊ के पांच सितारा होटल द सेंट्रम में भव्य रिसेप्शन पार्टी दी। इस खास मौके पर कुलदीप अपनी दुल्हन वंशिका सिंह के साथ ट्रेडिशनल अंदाज में नजर आए। दोनों की जोड़ी ने सबका ध्यान खींच लिया। कुलदीप ब्लैक कलर के प्रिंस सूट में बेहद आकर्षक दिखे, वहीं वंशिका क्रीम रंग की साड़ी में नजर आई, जिस पर रेड स्टोन का खूबसूरत वर्क था। होटल परिसर को भव्य सजावट से सजाया गया था। तस्वीरों के जरिए देखिए कौन- कौन इस खास कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचा।

- **गौतम गंभीर ने दिया आशीर्वाद, यशस्वी जायसवाल भी रहे मौजूद-** भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और बल्?लेबाज यशस्?वी जायसवाल भी कुलदीप यादव और वंशिका के रिसेप्?शन में शिरकत करने पहुंचे।
- **पत्नी रिवाबा के साथ आए रविंद्र जडेजा -**भारतीय क्रिकेट टीम के मशहूर खिलाड़ी रविंद्र जडेजा अपनी पत्नी रिवाबा के साथ कुलदीप यादव और वंशिका को आशीर्वाद देने पहुंचे। कुलदीप यादव ने इस मौके पर रविंद्र जडेजा के पैर छुए।
- **खास दोस्त ऋषभ पंत ने दीं शुभकामनाएं -** कुलदीप यादव के खास दोस्त ऋषभ पंत भी दिल्ली से लखनऊ के फाइव स्टार होटल में पहुंचे। वह यहां कुलदीप के सभी घरवालों से मिले। उन्होंने कुलदीप और वंशिका को नए जीवन की शुभकामनाएं दीं।

अखिलेश यादव ने लगाया गले

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कुलदीप यादव को गले लगकर बधाई दी। दूल्हन वंशिका ने अखिलेश यादव के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। अखिलेश के साथ सपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र चौधरी भी रिसेप्शन में मौजूद रहे।

सतीश महाना और मेयर प्रमिला पांडेय भी आईं

यूपी विधानसभा के अध्?यक्ष सतीश महाना और कानपुर नगर निगम की मेयर प्रमिला पांडेय भी खासतौर से लखनऊ पहुंचीं। कुलदीप यादव और वंशिका कानपुर के ही रहने वाले हैं।

14 मार्च को मसूरी में हुई शादी - कुलदीप यादव ने 14 मार्च को अपनी बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ मसूरी में परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी में शादी रचाई थी। उस मौके पर युजवेंद्र चहल, विराट कोहली, सुरेश रैना समेत कई क्रिकेटरों ने धमाल मचाया था।

लखनऊ में कुलदीप यादव की शादी का रिसेप्शन, वर-वधू को आशीर्वाद देने पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को लखनऊ में भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव की शादी के रिसेप्शन में पहुंचे, जहां उन्होंने नवविवाहित जोड़े को अपना आशीर्वाद दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर रिसेप्शन की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'आज (मंगलवार) लखनऊ में भारतीय क्रिकेटर कुलदीप यादव के शुभ विवाह उपरांत आयोजित प्रीतिभोज समारोह में सम्मिलित होकर नव दंपति को आशीर्वाद प्रदान किया।' कुलदीप यादव ने 14 मार्च को बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ उत्तराखंड के मसूरी में शादी रचाई थी। कुलदीप यादव की शादी के रिसेप्शन में हेड कोच गौतम गंभीर, साथी खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल, शिखर धवन और रवींद्र जडेजा पहुंचे। इस ग्रैंड रिसेप्शन में 900 से ज्यादा मेहमानों को न्योता दिया गया है। वीवीआईपी मेहमानों के लिए होटल में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

कानपुर के रहने वाले इस जोड़े ने 4 जून 2025 को लखनऊ में सगाई की थी, जिसमें करीबी लोग शामिल हुए थे। दोनों की शादी नवंबर 2025 में तय हुई थी, लेकिन टी20 वर्ल्ड कप के चलते इसे टाल दिया गया था। वंशिका कुलदीप यादव की बचपन की दोस्त हैं, जिन्होंने अपनी स्कूली पढ़ाई कानपुर से की है, जिसके बाद उच्च शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न चली गईं। कुलदीप यादव हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप के विजेता बने हैं। उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच में उतारा गया था, जिसमें चाइनामैन गेंदबाज ने 3 ओवर गेंदबाजी करते हुए 14 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। कुलदीप यादव ने साल 2017 में भारत की ओर से डेब्यू किया था। वह अब तक 17 टेस्ट मैच खेल चुके हैं, जिसमें 22.42 की औसत के साथ 76 विकेट हासिल किए। इसके अलावा, 120 वनडे मुकाबलों में 194 विकेट निकाले। कुलदीप ने भारत की तरफ से 54 टी20 मैच खेले, जिसमें 95 विकेट हासिल किए।

बुमराह हर मैच में विकेट की गारंटी देते हैं: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का कहना है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस (एमआई) के लिए हर मैच में अच्छा प्रदर्शन करने की गारंटी देते हैं। हालांकि, चोपड़ा ने चेतावनी दी है एमआई के सामने एक मुश्किल पहेली यह है कि विदेशी खिलाड़ियों की फौज को अपनी प्लेइंग इलेवन में कैसे स्थान दिया जाए। जसप्रीत बुमराह ने आईपीएल 2025 में कुल 12 मैच खेले, जिसमें 17.56 की औसत के साथ 18 विकेट लिए थे। एमआई अपने अभियान की शुरुआत 29 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अपने घरेलू मैदान पर तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ करेगी। आईपीएल 2025 में यह टीम क्वालीफायर-2 तक पहुंची थी, जहां उसे पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। आकाश चोपड़ा ने 'जियोस्टार' पर कहा, 'अगर आपका नाम जसप्रीत बुमराह है, तो दबाव अपने आप आ जाता है। वह इसी तरह के गेंदबाज हैं। वह हर मैच में असर डालते हैं। एक विकेट की गारंटी देते हैं और विरोधी टीम को रोकते हैं। इस जिम्मेदारी के साथ बहुत ज्यादा दबाव आता है, क्योंकि उनके 4 ओवर मुंबई इंडियंस के लिए सबसे कीमती होते हैं। पावरप्ले में एक ओवर डालो, बीच के मिडल ओवर्स के लिए एक ओवर बचाकर रखो, और डेथ ओवर्स में दो ओवर डालो। यही हैं बुमराह, वह दबाव कहीं जाने वाला नहीं है। चाहे बोल्ट अच्छी गेंदबाजी करें या दीपक चाहर पूरी तरह से फिट हों, बुमराह पर दबाव बना ही रहता है। लेकिन अगर बोल्ट फिट हैं, तो एमआई उन्हें ही टीम में बनाए रखना चाहेगी। वे चाहेंगे कि नई गेंद बोल्ट और दीपक चाहर के हाथों में थोड़ी स्विंग करे।' उन्होंने कहा, 'शार्दुल ठाकुर, चाहर के लिए एक काबिल विकल्प हैं, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि उन्हें चाहर से पहले खेलने का मौका मिलेगा। फिट दीपक चाहर, फिट ट्रेंट बोल्ट, बुमराह और हार्दिक पांड्या ही एमआई के शुरुआती चार तेज गेंदबाज होंगे। कॉर्बिन बॉश भी मौके का इंतजार कर रहे हैं। वह एक बहुत अच्छे ऑलराउंडर हैं। लेकिन फिर वही बात- आप अपनी टीम में सभी विदेशी खिलाड़ियों को नहीं खिला सकते।' उन्होंने यह भी कहा कि रोहित शर्मा और क्विंटन डी कॉक को अपनी जबरदस्त ओपनिंग साझेदारी को फिर से दोहराना चाहिए, लेकिन साथ ही यह भी जोड़ा कि विल जैक्स, शेरफेन रदरफोर्ड और बॉश के लिए विदेशी गेंदबाजों के साथ टीम में जगह बनाना एक ऐसी मुश्किल है जिससे हर टीम ईर्ष्या करेगी।

रियल मैड्रिड ने मैनचेस्टर सिटी को किया बाहर

आर्सेनल और पीएसजी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोप के सबसे बड़े क्लब टूर्नामेंट यूईएफए चैंपियंस लीग में मंगलवार को खेले गए मुकाबलों में कई बड़े उलटफेर देखने को मिले। रियल मैड्रिड ने मैनचेस्टर सिटी को 2-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया, जबकि आर्सेनल और पेरिस सेंट-जर्मेन ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। रियल मैड्रिड के लिए विनीसियस जूनियर हीरो बनकर उभरे। विनीसियस ने 2 गोल मारते हुए टीम की जीत पक्की की। उन्होंने शुरुआती बढ़त दिलाई और फिर इंजरी टाइम (93वें मिनट) में दूसरा गोल कर मुकाबला खत्म कर दिया। मैनचेस्टर सिटी की तरफ से एकमात्र गोल एर्लिंग हालैंड ने 41वें मिनट में लगाया। रियल मैड्रिड ने 2-1 से मैच जीता। इस हार के साथ पेप गार्डियोला की टीम लगातार तीसरे सीजन में मैड्रिड के हाथों बाहर हो गई। ब्राजीलियन ने मैड्रिड को उस समय बढ़त दिलाई जब बर्नार्डो सिल्वा को अपने ही बॉक्स के अंदर बॉल हैंडल करते हुए पाया गया। इसका मतलब यह भी था कि होम टीम के खिलाड़ी घटकर 10 रह गए। विनी जूनियर ने सिटी के फैंस से बदला लिया और रोते हुए जश्न मनाया।

जीत के बाद विनीसियस ने कहा, 'पिछली बार जब हम यहां आए थे, तो मैनचेस्टर सिटी के फैंस मेरा मजाक उड़ा रहे थे। मैं सिटी फैंस की बेइज्जती नहीं कर रहा था, लेकिन यह मेरे लिए उन्हें खुद को साबित करने का एक तरीका था।' दूसरे मुकाबले में आर्सेनल ने बायर लेवरकुसेन को 2-0 से हराया और कुल स्कोर 3-1 से जीत दर्ज की। एबेरेची एजे ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि डेक्लान राइस ने दूसरा गोल कर जीत सुनिश्चित की। आर्सेनल के एबेरेची एजे ने अपना यूसीएल अकाउंट खोला गनर्स के लिए एक शानदार गोल से मिकेल आर्टेटा की टीम आसानी से क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गई। बायर लेवरकुसेन ने आर्सेनल के जोरदार शुरुआती स्पेल के बावजूद मजबूती से गोल किया, जिसमें गोलकीपर जेनिस ब्लासविच ने शानदार खेल दिखाया। लेकिन 37वें मिनट में उनकी मुश्किल तब टूट गई जब एजे ने एक शानदार लंबी दूरी से गोल किया, जिससे आर्सेनल को आखिरी-16 के मुश्किल मुकाबले में बढ़त मिल गई। डिफेंडिंग चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन ने चेल्सी को 3-0 से हराकर कुल स्कोर 8-2 से एकतरफा जीत दर्ज की। ब्रैडली बारकोला और सेनी मायुलु ने अहम गोल कर टीम को आसानी से अगले दौर में पहुंचाया।

आईपीएल 2026: विराट कोहली रचेंगे इतिहास

ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली सिर्फ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के ही किंग नहीं हैं। दुनिया की सबसे लोकप्रिय और सर्वश्रेष्ठ टी20 लीग आईपीएल में भी उनके सामने कोई भी बल्लेबाज नहीं ठहरता है। आईपीएल के हर सीजन में कोई न कोई रिकॉर्ड बनाने वाले कोहली आगामी सीजन में भी एक अनोखी उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। विराट कोहली अगर आईपीएल के आगामी सीजन में 339 रन और बना लेते हैं, तो उनके कुल रनों की संख्या 9,000 हो जाएगी और लीग के इतिहास में 9,000 रन बनाने वाले वह पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। कोहली का पिछले तीन सीजन में औसत 53 से ऊपर रहा है। ऐसे में पूरी संभावना है कि आईपीएल 2026 में वह 9,000 रनों का आंकड़ा छू लेंगे। विराट ने साल 2023 में 53.25 की औसत से 639, 2024 में 61.75 की औसत से 741, और 2025 में 54.75 की औसत से 657 रन बनाए थे। कोहली के 2025 में किए गए प्रदर्शन का आरसीबी को चैंपियन बनाने में अहम योगदान रहा था। 2008 से आरसीबी के लिए खेल रहे विराट ने 267 मैचों में 39.55 की औसत और 132.86 की स्ट्राइक रेट से 8 शतक और 63 अर्धशतक लगाते हुए 8,661 रन बनाए हैं। विराट लीग में 8,000 रन पूरा करने वाले भी एकमात्र बल्लेबाज हैं। साथ ही, लीग में सर्वाधिक शतक का रिकॉर्ड भी उनके नाम ही है। लीग के दूसरे सफल बल्लेबाज रोहित शर्मा हैं। रोहित ने 272 मैचों की 267 पारियों में 2 शतक और 47 अर्धशतक लगाते हुए 7,046 रन बनाए हैं। शतक के मामले में जोस बटलर दूसरे नंबर पर हैं। इंग्लैंड के इस पूर्व कप्तान के नाम आईपीएल में 7 शतक हैं। बटलर के पास इस सीजन शतकों के मामले में कोहली से आगे निकलने का मौका होगा। विराट अंतरराष्ट्रीय टी20 से संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में इस फॉर्मेट में उन्हें देखने का एकमात्र जरिया आईपीएल है। इसलिए विराट के फैंस आईपीएल के शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आईपीएल 2026 का पहला ही मुकाबला आरसीबी और एसआरएच के बीच 28 मार्च को खेला जाना है।

कोहली आरसीबी के लिए खिताब डिफेंड करने की चुनौती के साथ बेंगलुरु पहुंचे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली आईपीएल 2026 के लिए टीम से जुड़ गए हैं। कोहली बुधवार सुबह बेंगलुरु पहुंचे। टीम मैनेजमेंट, खिलाड़ियों और फैंस को कोहली का बेसब्री से इंतजार था। बेंगलुरु पहुंचने से पहले कोहली लंदन में ही अभ्यास कर रहे थे। कोहली ने अपने अभ्यास की एक तस्वीर भी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डाली थी जिसे आरसीबी ने अपने आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म पर शेयर किया था। कोहली के टीम से जुड़ने के बाद अभ्यास सत्र में जोश और तेजी आएगी। आरसीबी आईपीएल 2026 में चैंपियन के रूप में उतरेगी। टीम का मुख्य लक्ष्य अपने खिताब का बचाव करना होगा। आरसीबी ने आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

'मेरा लक्ष्य मैच जीतना रहा है'

इस सीजन भी अपना शत प्रतिशत दूंगा: अंगकृष रघुवंशी

कोलकाता, एजेंसी। नाइट राइडर्स (केकेआर) के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी टी20 क्रिकेट के बदलते दौर से पूरी तरह वाकिफ हैं। रघुवंशी को उम्मीद है कि वह आईपीएल 2026 में बल्ले से अपना अहम योगदान देंगे। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने आईपीएल 2024 के 10 मुकाबलों में 23.28 की औसत के साथ 163 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 54 रन की पारी भी खेली थी। इसके बाद आईपीएल 2025 में 12 मैच खेले, जिसमें 33.33 की औसत के साथ 300 रन बनाए। जब रघुवंशी से आईपीएल 2026 के लिए उनके लक्ष्य के बारे में पूछा गया, तो इस शांत स्वभाव के बल्लेबाज का जवाब बहुत सीधा-सादा था।

रघुवंशी ने आईएएनएस से कहा, 'मुझे लगता है कि मेरी सोच अभी भी वैसी ही है। मेरा लक्ष्य हमेशा अपनी टीम के लिए मैच जीतना रहा है और आगे भी यही रहेगा। जहां तक मेरी भूमिका की बात है, तो यह मुझे इस आईपीएल के दौरान ही पता चलेगा। मैं इसके लिए अपना शत प्रतिशत दूंगा। मेरा मुख्य लक्ष्य अपनी सोच को बनाए रखना और टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा मैच जीतना है।'

जब रघुवंशी से केकेआर के शानदार माहौल के पीछे का राज पूछा गया, तो उन्होंने ड्रेसिंग रूम के बड़े सितारों या कोचिंग स्टाफ की ओर इशारा करने के बजाय फ्रेंचाइजी की उस एकेडमी की

ओर इशारा किया जो खिलाड़ियों को पूरे साल एक-दूसरे से जोड़े रखती है।

उन्होंने कहा, 'इसका श्रेय काफी हद तक केकेआर एकेडमी को भी जाता है, क्योंकि हम पूरे साल एक-दूसरे के साथ प्रैक्टिस करते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि जब आखिरकार टूर्नामेंट शुरू होता है, तो हम सभी पहले से ही एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह से जान चुके होते हैं। मुझे लगता है कि यह एक ऐसा माहौल है जहां हर कोई चाहता है कि दूसरा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करे। यह एक बहुत ही दुर्लभ माहौल है और इसका हिस्सा बनना एक बहुत ही शानदार और अद्भुत अनुभव है।'

उन्होंने कहा, 'इस सीजन में हर कोई प्रेरित है और अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है। हर मैच में हम बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं। हर मैच में हम अपना सब कुछ झोंक देते हैं, और जाहिर है, हर मैच का नतीजा अलग-अलग होता है। लेकिन हर मैच के लिए हमारी सोच एक ही होती है, वह यह कि टीम को जीत दिलाने में मदद करें और टीम को जिस भी चीज की जरूरत हो, उसे पूरा करें।'

रघुवंशी के आईपीएल अनुभवों से मिली सबसे बड़ी सीख यह है कि एक खिलाड़ी के तौर पर कभी भी एक जगह रुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरी सबसे बड़ी सीख यह है कि हर कोई हर समय आगे बढ़ रहा है और कुछ न कुछ सीख रहा है, इसलिए आपको हमेशा खुद में सुधार करते रहना चाहिए। हर दिन जब आप खेलने या प्रैक्टिस करने के लिए मैदान पर उतरते हैं, तो हमेशा कुछ न कुछ सीखते हैं और बेहतर बनने की कोशिश करते हैं, क्योंकि आपके आस-पास मौजूद हर कोई लगातार बेहतर बन रहा होता है।'

अभिषेक नायर इस सीजन केकेआर के हेड कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जिन्होंने रघुवंशी के करियर को आकार दिया है।

हिंदू नववर्ष के पावन अवसर पर विक्रमोत्सव कार्यक्रम आयोजित, नगरवासियों ने धूमधाम से मनाया उत्सव

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। हिंदू नववर्ष के पावन अवसर पर व्यंकटेश लोक, सतना में विक्रमोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर उपस्थित सम्माननीय जनों और समस्त नगरवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं प्रेषित की गईं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। उनकी प्रतिभा और उत्साह को देखकर हृदय आनंद और गर्व से भर उठा। बच्चों ने नृत्य, गायन और नाटक के जरिए अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया, जिससे कार्यक्रम में उपस्थित हर व्यक्ति का मन उल्लासित हो गया। इस गरिमामय अवसर पर मध्यप्रदेश शासन की राज्यमंत्री आदरणीय प्रतिमा बागरी, महापौर योगेश कुमार ताम्रकार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती पांडेय, नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह परिहार, जिला पंचायत सभापति ज्ञानेंद्र सिंह 'ज्ञानू', जिला पंचायत सदस्य रितेश त्रिपाठी, जिला पंचायत सीईओ शैलेन्द्र सिंह, सविता त्रिपाठी, एकता सिंह और बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के मार्गदर्शन और निर्णय के अनुसार, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा एवं विक्रम संवत को पूरे शहर में हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया जा रहा है, जो हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। सम्राट महाराजा विक्रमादित्य द्वारा प्रारंभ किया गया विक्रम संवत भारतीय संस्कृति की गौरवशाली पहचान है। यह पंचांग प्रकृति और खगोलीय गणनाओं पर आधारित है, जो हमारे पर्व-त्योहारों का निर्धारण करता है। विक्रम संवत, ग्रेगोरियन कैलेंडर से लगभग 57 वर्ष आगे चलता है, जो इसकी प्राचीनता और वैज्ञानिकता को दर्शाता है।

कार्यक्रम की खास बातें: रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया बच्चों की प्रतिभा और उत्साह ने हर दिल को छू लिया राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी समेत कई जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में विक्रम संवत का आयोजन विक्रम संवत के ऐतिहासिक और वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डाला गया।

भगवान श्री झूलेलाल जी: आस्था, एकता और सेवा के प्रतीक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भगवान श्री झूलेलाल जी सिन्धी समाज के आराध्य देव माने जाते हैं, जिन्हें जल देवता और मानवता, भाईचारे तथा सद्भाव के संदेशवाहक के रूप में पूजा जाता है। उनका विशेष महत्व सिन्धी समाज में है और हर वर्ष चैत्र माह की द्वितीया तिथि को उनका जन्मोत्सव 'चेटीचंड्र' बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। जन्म और अवतार की कथा मान्यता के अनुसार, लगभग दसवीं शताब्दी में सिंध प्रदेश (वर्तमान सिंध) में हिंदुओं पर अत्याचार बढ़ गए थे। उस समय वहां के लोगों ने जल देवता वरुण देव से प्रार्थना की कि वह उनकी रक्षा करें। उनकी प्रार्थना सुनकर भगवान श्री झूलेलाल का अवतार हुआ और उनका जन्म नसरपुर में हुआ। झूलेलाल जी का संदेश भगवान श्री झूलेलाल जी ने समाज को प्रेम, समानता और धार्मिक सहिष्णुता का संदेश दिया। उनका कहना था कि सभी धर्मों का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि सभी मनुष्य एक ही परमात्मा की संतान हैं। उनके उपदेशों ने समाज में शांति और भाईचारे को बढ़ावा दिया है। सिन्धी समाज में महत्व भगवान श्री झूलेलाल जी सिन्धी समाज के लिए केवल एक देवता नहीं, बल्कि आस्था और पहचान के प्रतीक हैं। भारत सहित विश्वभर में बसे सिन्धी समुदाय के लोग उनका जन्मोत्सव 'चेटीचंड्र' बड़े हर्षोल्लास से मनाते हैं। इस दिन झांकियां, शोभा यात्राएं, भजन कीर्तन और सेवा कार्य किए जाते हैं। भगवान श्री झूलेलाल जी की शिक्षाएं हमें सेवा, दान और मानवता की राह पर चलने की प्रेरणा देती हैं।

बेला चौकी में पदस्थ आरक्षक की सड़क हादसे में मौत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के रामपुर बाघेलान थाने की बेला चौकी में पदस्थ पुलिस आरक्षक विकास चतुर्वेदी (45) की बुधवार देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है आरक्षक विकास चतुर्वेदी भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद लगभग 9 साल पहले पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे वर्तमान में वे रामपुर बघेलान की बेला चौकी में कार्यरत थे। बुधवार को उनकी ड्यूटी डायल 112 में लगाई गई थी। रात करीब 9 बजे शिफ्ट बदलने के बाद विकास अपनी बाइक से रीवा की ओर जा रहे थे केमार-चोरहटा बॉर्डर पर सुभाष राइस मिल के सामने एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया इस दुर्घटना में विकास गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल आरक्षक को तुरंत एंबुलेंस से संजय गांधी अस्पताल रीवा ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

विक्रमोत्सव 2026 में सूर्य उपासना व नाट्य प्रस्तुति आयोजित बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति से कार्यक्रम सफल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के मुख्यातिथ्य में गुरुवार को व्यंकटेश मंदिर परिसर में विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत सूर्य उपासना एवं नाट्य प्रस्तुति कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सूर्य उपासना से हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य की पूजा अर्चना की। इसके बाद नाट्य प्रस्तुति का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने विविध नाटकों के माध्यम से सामाजिक और सांस्कृतिक संदेश दिया कार्यक्रम में महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह, नगर निगम स्पीकर राजेश चतुर्वेदी जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय समेत कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति से कार्यक्रम सफल रहा और उत्सव का आयोजन पूरे नगर में चर्चा का विषय बन गया। कार्यक्रम के आयोजक और उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के महत्व पर जोर देते हुए, शहरवासियों को एकजुट करने और उनकी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया

कार्यक्रम की खास बातें: सूर्य उपासना और नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष समेत प्रमुख जनप्रतिनिधियों की उपस्थितिनगरवासियों ने उत्सव को लेकर जोश और उत्साह दिखाया कार्यक्रम से सांस्कृतिक एकता और समाज में जागरूकता का प्रसार।

व्यंकटेश लोक, सतना में सूर्य उपासना पर्व का भव्य आयोजन, नव संवत्सर का स्वागत

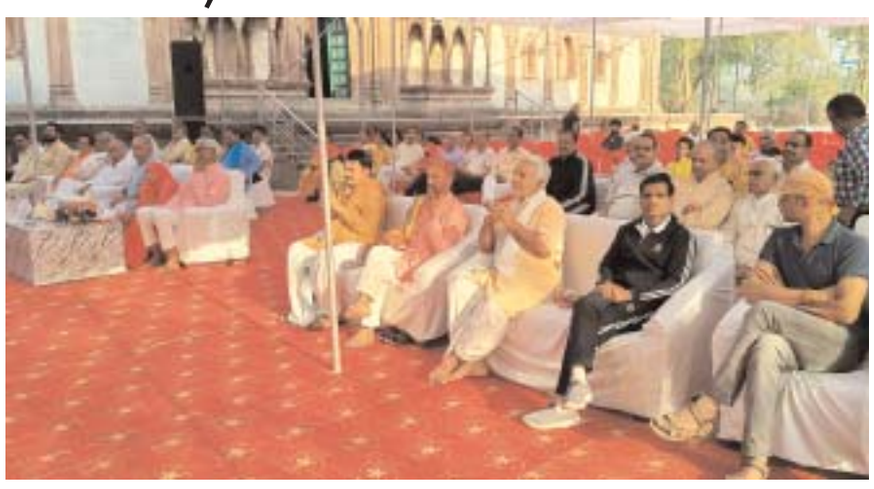

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नव संवत्सर (विक्रम संवत 2083) के अवसर पर गुरुवार को व्यंकटेश लोक, मुख्यारगंज सतना में सूर्य उपासना पर्व का भव्य आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग एवं विश्व गीता प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ नव वर्ष का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में 108 धारणीधराचार्य महाराज उपस्थित रहे। उन्होंने विक्रम संवत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह भारतीय सनातन परंपरा का प्राचीन एवं गौरवशाली कैलेंडर है, जो सम्राट विक्रमादित्य की विजय और न्यायप्रियता की स्मृति को दर्शाता है। उन्होंने सूर्य उपासना को ऊर्जा, स्वास्थ्य और सकारात्मकता का प्रमुख स्रोत बताते हुए सभी से नियमित आराधना करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, राजेश दुबे, जिला शिक्षा अधिकारी गिरीश अग्निहोत्री, आर.एस. त्रिपाठी, प्रमोद मिश्रा, प्रेमलाल पाण्डेय सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 5:30 बजे मंगल तिलक, प प्रज्वलन, ध्वजारोहण एवं वंदे मातरम् के साथ हुई। इसके पश्चात सूर्य उपासना, सूर्य के बारह नामों का स्मरण, ओमकार उच्चारण, पंचांग पूजन एवं संकल्प वाचन जैसे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। अंत में सम्राट विक्रमादित्य पर आधारित नाट्य मंचन प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित जनों ने सराहा।

मैहर में एनएच 30 पर संतरे से लदा ट्रक पलटा

ड्राइवर-कंडक्टर घायल, 10 लाख के नुकसान की आशंका

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले में नेशनल हाईवे-30 पर गुरुवार शाम एक संतरे से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। यह हादसा कटनी से मैहर मार्ग पर झुकेही चौकी के पास हुआ इस दुर्घटना में ट्रक चालक और कंडक्टर को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार, ट्रक में नागपुर के बरोड़ से संतरे लोड किए गए थे और इन्हें बिहार के पटना ले जाया जा रहा था। झुकेही थाना क्षेत्र के पास पहुंचने पर ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में ट्रक चालक धनराज पवार (35 वर्ष), निवासी मुलताई, और कंडक्टर धीरू हजारे (66 वर्ष) पिता सौजर हजारे, निवासी मुलताई, को हल्की चोटें आईं घटना की सूचना मिलते ही नेशनल हाईवे एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया। दुर्घटना के बाद सड़क पर संतरे बिखर गए, जिससे ट्रक में लदा काफी माल खराब हो गया। ड्राइवर के मुताबिक, इस हादसे में करीब 10 लाख रुपये के सामान का नुकसान हुआ है। फिलहाल, पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

रझौड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ जनभागीदारी से शुरू हुई तालाब सफाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत मैहर की ग्राम पंचायत झाझबरी के रझौड़ी गांव में गुरूवार को शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मैहर विधायक कांत चतुर्वेदी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, जिला पंचायत सदस्य मंजूलता सिंह, क्षेत्रीय जनपद सदस्य, जनपद पंचायत मैहर के सीईओ, सहायक यंत्री एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी सहित ग्रामीण जन शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान जनभागीदारी के माध्यम से ग्राम रझौड़ी के तालाब की गाद सफाई कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने जल संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपने क्षेत्र के जल स्रोतों को संरक्षित करें। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाने हेतु सभी से सहयोग की अपील की। इस अवसर पर ग्राम पंचायत रिवारा, गौरैया, मौदहा सारंग, जुड़वानी, ककरा एवं लटागांव के सरपंच-सचिव भी उपस्थित रहे।

बहन का हाथ काटने वाले भाई को 7 साल कैद कोर्ट ने 6 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में बहन का हंसिया से हाथ काटने वाले भाई को अदालत ने 7 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। न्यायाधीश मानवेन्द्र प्रताप सिंह की कोर्ट ने दोषी विनीत पांडेय पर 6 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।अभियोजन की ओर से एजीपी उमेश शर्मा ने इस मामले में पैरवी की अदालत ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता (भादवि) की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और 452 (घर में घुसकर हमला करना) के तहत दोषी पाया। यह घटना 17 जनवरी 2021 को दोपहर करीब 2 बजे बढ़इया तिराहा स्थित उमा मिश्रा के घर पर हुई थी। उमा मिश्रा आरोपी विनीत पांडेय की बहन है। आरोपी विनीत पांडेय बैग में हंसिया लेकर घर आया और बहन से चाय बनाने को कहा। जब उमा ने थोड़ी देर में चाय बनाने की बात कही, तो आरोपी ने बैग से हंसिया निकालकर उस पर हमला कर दिया। इससे उमा के शरीर पर कई जगह चोटें आईं इसके बाद आरोपी ने बहन के दाहिने हाथ की कलाई के ऊपर वार किया, जिससे उसका हाथ कटकर नीचे गिर गया। शोर-शराबा सुनकर मोहल्ले के लोग और मकान मालिक मौके पर पहुंचे। उन्हें आता देख आरोपी विनीत पांडेय घटनास्थल से फरार हो गया था।

मैहर माता मंदिर में तड़के 4 बजे हुई पहली आरती

चैत्र नवरात्रि मेला शुरू सुरक्षा के लिए वीआईपी दर्शन पर रोक, ड्रोन से निगरानी

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर में विश्व प्रसिद्ध मां शारदा देवी मंदिर में चैत्र नवरात्रि मेले का आज गुरुवार से शुरु हो गया। तड़के 3 बजे मंदिर के पट खुलते ही पूरा पर्वत 'जय माता दी' के जयकारों से गूंज उठा। सुबह 4 बजे प्रधान पुजारी पवन दाऊ महाराज ने मां की विशेष आरती की। नवरात्रि के पहले दिन मां के शैलपुत्री स्वरूप की आराधना की जा रही है मेले में शामिल होने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं का आगमन बुधवार शाम से ही शुरू हो गया था। गुरुवार सुबह 5 बजे मैहर रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ देखी गई। हजारों की संख्या में भक्त ट्रेनों से उतरकर सीधे त्रिकूट पर्वत की ओर जा रहे थे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्टेशन पर अतिरिक्त सहायता केंद्र भी स्थापित किए गए हैं श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 560 पुलिस जवान तैनात लाखों की भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। कुल 560 पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था का नेतृत्व 2 एडिशनल एसपी, 8 डीएसपी, 10 टीआई और 15 सब इंस्पेक्टर कर रहे हैं। मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र में चप्पे-चप्पे पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ 2 ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है। संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कलेक्टर ने वीआईपी दर्शन पर लगाई रोक: जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर रानी बाटड ने आम श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए मेले के दौरान वीआईपी दर्शन पर पूरी तरह रोक लगा दी है कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र में 14 कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। ये मजिस्ट्रेट अलग-अलग शिफ्टों में व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को लंबी कतारों में खड़े होकर परेशानी का सामना न करना पड़े।

9 दिनों तक दिखेगी शक्ति की भक्ति: पुजारी दाऊजी के अनुसार, इन नौ दिनों में माता के नौ अलग-अलग रूपों की पूजा होगी। आने वाले दिनों में क्रमशः मां ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंद माता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी।

किसान के घर लगी आग, गृहस्थी का सामान खाक,कुएं से बाल्टी भर-भर कर आग बुझाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बरौंधा थाना क्षेत्र के मझगवां खैरवार गांव में बुधवार देर शाम एक किसान के घर भीषण आग लग गई। इस घटना में किसान की पूरी गृहस्थी, अनाज, कपड़े और सोने-चांदी के जेवर सहित लाखों का सामान जलकर खाक हो गया जानकारी के अनुसार, किसान गिरधारी उर्फ छोटू खैरवार अपने परिवार के साथ गांव के बाहर खेत पर फसल काटने गया था। इसी दौरान उसके घर में अचानक आग लग गई। एक ग्रामीण ने गिरधारी के घर से धुआं उठता देखा और मौके पर पहुंचा उसने अंदर भीषण आग लगी देखी शोर सुनकर अन्य ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए और कुएं से बाल्टी भर-भर कर आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, जब तक आग पर काबू पाया जाता, तब तक किसान की गृहस्थी का सारा सामान, जिसमें अनाज, कपड़े और सोने-चांदी के जेवर शामिल थे, पूरी तरह जलकर राख हो चुका था गुरुवार सुबह मौके पर पहुंचे हलका पटवारी ने आगजनी से हुई क्षति का आंकलन शुरू कर दिया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683 प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।